RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

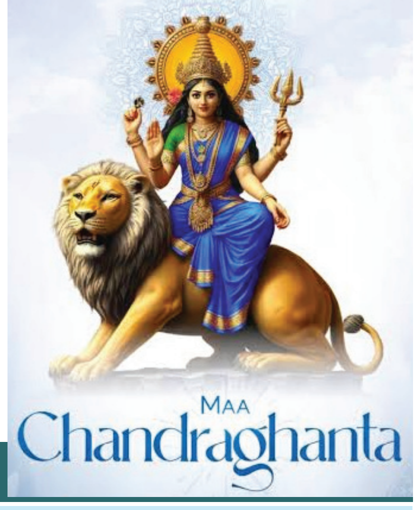

पटना, वर्षः 7 , अंकः 240 , मंगलवार, 13 अक्टूबर 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

लोकसभा चुनाव से पहले 7वां वेतनमान नहीं दिला पाए तो वोट मांगने नहीं आएंगेः प्रशांत किशोर... 03

दुर्गा पूजा को लेकर अलर्ट मोड में 102 एंबुलेंस सेवा, श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए... 04

हनुमान अंश की सफलता पर ऋद्धा चड्ढा ने तोड़ी चुप्पी 07

द्वितीय दिन

मां ब्रह्मचारिणी

मां ब्रह्मचारिणी तपस्या, त्याग और संयम की प्रतीक हैं। इनके एक हाथ में जपमाला और दूसरे में कमंडल रहता है। मान्यता है कि इनकी आराधना से साधक को धैर्य, आत्मबल और कठिन परिस्थितियों का सामना करने की शक्ति मिलती है। भक्त ज्ञान, शांति और सफलता के लिए इनकी पूजा करते हैं।

देश में पहली बार इलेक्ट्रिक व्हीकल से बिजली सप्लाई होगी

● आईआईटी बॉम्बे ने बनाया, केरलम में शुरुआत,इससे बिजली बिल में 30 फीसदी की कमी आई

मुंबई (एजेंसी)। अब इलेक्ट्रिक व्हीकल यानी ईवी से यात्रा करने के साथ उसकी बैटरी का इस्तेमाल घर में बिजली सप्लाई करने के लिए भी कर सकते हैं। बॉम्बे की ग्रिड इंटीग्रेशन लैब ने आईआईटी कैंपस में तीन साल तक प्रयोग किए। इस दौरान दिन में इलेक्ट्रिक कार सोलर पैनल से चार्ज होती और रात में एक प्रोफेसर के घर में बिजली सप्लाई करती। इसने घर के सभी उपकरणों का लोड उठाया और प्रोफेसर के बिजली बिल में करीब 30 फीसदी की कमी भी आई। ईवी की बैटरी से घर में बिजली

सप्लाई करने को व्हीकल टू होम और वापस ग्रिड को बिजली भेजने को व्हीकल टू ग्रिड कहते हैं। आईआईटी बॉम्बे ने देश में पहली बार यह प्रोजेक्ट बनाया। अब केरलम में इस परियोजना को पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू किया जा रहा है। केरलम स्टेट ने जुलाई 2025 में एमओयू साइन किया।

अगस्त में इलेक्ट्रिक गाड़ियों की बिक्री 53 फीसदी बढ़ी- भारत में ईवी की डिमांड तेजी से बढ़ रही है। अगस्त 2026 में देश में कुल 2,98,448 इलेक्ट्रिक वाहन बिके, जो पिछले साल के इसी महीने यानी अगस्त 2025 की तुलना में 52.9 फीसदी ज्यादा है। इस बढ़त के साथ ऑटोमोबाइल मार्केट में ईवी की हिस्सेदारी बढ़कर 12.3 फीसदी हो गई है, जो एक साल पहले 9.5 फीसदी थी। ऑटोमोबाइल डीलर्स के संगठन ने 8 अगस्त को ये आंकड़े जारी किए हैं। संगठन के मुताबिक, यह भारत में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के लिए अब तक का सबसे बेहतरीन अगस्त महीना साबित हुआ है।

ईवी से घर में बिजली देने पर बैटरी लाइफ पर असर नहीं पड़ा

आईआईटी बॉम्बे ग्रिड इंटीग्रेशन लैब के प्रों जाकिर हुसैन राथर ने कहा कि ईवी से घर की लाइट लगातार सप्लाई के बाद भी बैटरी लाइफ पर खास फर्क नहीं पड़ा। बैटरी लाइफ को एसओएच से मापते हैं। नई बैटरी का एसओएच 100 फीसदी होता है। दो साल बाद एसओएच में 1.5 फीसदी की ही गिरावट आई। प्रो. जाकिर और उनकी टीम ने इस पर और रिसर्च की और बाकी शोध में भी इसकी पुष्टि हुई। भारत में ईवी अभी वी2जी के हिसाब से तैयार नहीं की जा रही हैं। इसकी वजह रेगुलेशन न होना है। पायलट प्रोजेक्ट के लिए आईआईटी ने केरलम में ईवी की जानकारी जुटाई हैं। उन गाड़ियों को वी2जी के हिसाब से अनलॉक करेंगे। इसमें कुछ चीजें जोड़नी पड़ेंगी, जिसे आईआईटी डेवलप कर रहा है। एक ओर देश में लोग ईवी खरीद रहे हैं, दूसरी ओर सोलर पैनल का चलन भी बढ़ा है। दिन में सोलर से बिजली पैदा होती है, लेकिन उसका स्टोरेज महंगा है। ऐसे में ईवी की बैटरी बिजली स्टोर कर सकती है।

संक्षिप्त समाचार

2026 का इकोनॉमिक्स नोबेल 2 अमेरिकी को

स्टाकहोम (एजेंसी)। 2026 का अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार अमेरिकी अर्थशास्त्रियों रॉबर्ट ई. हॉल और माइकल वुडफोर्ड को मिला है। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने सोमवार को को इसकी घोषणा की। दोनों को यह सम्मान अर्थव्यवस्था में मंदी और तेजी के उतार-चढ़ाव

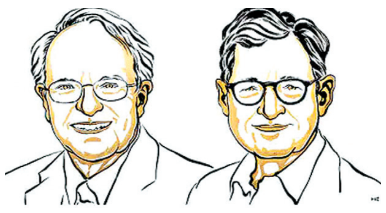

को कम करने के लिए आर्थिक नीतियों के नए आधार विकसित करने पर दिया जाएगा। उनकी रिसर्च से समझने में मदद मिली कि आम लोगों के खर्च और कंपनियों के फैसले पूरी अर्थव्यवस्था को कैसे प्रभावित करते हैं। दोनों को कुल 1.2 करोड़ स्वीडिश क्रोनर यानी 11.5 करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि बराबर मिलेगी। 1970 के दशक में आर्थिक संकट के दौरान नए मॉडल की जरूरत पड़ी अर्थशास्त्री जॉन मेनार्ड कीन्स ने करीब 100 साल पहले यह सुझाव दिया था।

होर्मुज के पास जहाज पर ड्रोन हमला, 2 भारतीय लापता

तेहरान (एजेंसी)। होर्मुज स्ट्रेट के पास भारतीय क्रू वाले जहाज एमटी पेट्रो डॉल्फिन पर रविवार को ड्रोन से हमला हुआ। जहाज पर सवार 11 भारतीय नाविकों में से 9 को बचा लिया गया, जबकि 2 अब भी लापता हैं। हमले के पीछे कौन है, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। पिछले 3 दिनों में

इस क्षेत्र में भारतीय क्रू वाले 3 जहाजों पर हमले हुए हैं। इनमें से एक हमला रविवार को ही एमटी वाल्थेरा पर हुआ था जबकि दूसरा हमला 9 अक्टूबर को एमटी जेम नंबर 2 पर हुआ। भारत ने जहाजों पर होने वाले हमले तुरंत रोकने को कहा है। निकारागुआ के झंडे वाले टैंकर एमटी पेट्रो डॉल्फिन पर ओमान के सोहर बंदरगाह के पास जहाज पर ड्रोन से हमला हुआ। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा है कि अधिकारी लापता नाविकों को खोजने की कोशिश कर रहे हैं।

जंतर-मंतर पर अब नहीं होंगे प्रदर्शन, 33 साल बाद बदलाव

● सीजेपी ने यहीं 36 दिन धरना दिया था, धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा था

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के जंतर-मंतर पर अब प्रदर्शन नहीं हो सकेंगे। केंद्र सरकार ने इसे निर्धारित प्रदर्शन स्थल की लिस्ट से 33 साल बाद हटा दिया है। गृह मंत्रालय ने एक कमेटी बनाई थी। इसकी सिफारिश पर दिल्ली का रामलीला मैदान, बुराड़ी ग्राउंड और पूर्वी दिल्ली का जीएडी ग्राउंड प्रदर्शन स्थल बनाए गए हैं। कॉकरोच जनता पार्टी ने सीईसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और एसआईआर पर रोक की मांग को लेकर सोमवार को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की परमिशन मांगी थी। पुलिस ने परमिशन देने से इनकार कर दिया।

गृह मंत्रालय ने कमेटी बनाई थी

गृह मंत्रालय ने विरोध-प्रदर्शन और धरना आयोजित करने के लिए वैकल्पिक स्थानों की पहचान करने के उद्देश्य से एक कमेटी बनाई थी। समिति की सिफारिशों के बाद इन तीनों स्थानों को प्रदर्शन के लिए निर्धारित किया गया है। रामलीला मैदान, बुराड़ी ग्राउंड और जीएडी ग्राउंड में धरना-प्रदर्शन आयोजित करने की प्रक्रिया और नियमों को लेकर संशोधित मानक संचालन प्रक्रिया अलग से जारी की जाएगी। फिलहाल आदेश में इन दिशा-निर्देशों का विस्तृत विवरण नहीं दिया गया है।

जंतर-मंतर से संसद तक पहुंच गए थे प्रदर्शनकारी

जंतर-मंतर को प्रदर्शन की जगहों से हटाने के पीछे की वजह नहीं बताई गई है। लेकिन, माना जा रहा है कि संसद से सिर्फ 1.5किमी दूरी इसकी सबसे बड़ी वजह है। जून-जुलाई में हुए कॉकरोच पार्टी के धरने के दौरान प्रदर्शनकारी संसद के नजदीक पहुंच गए थे। उन्हें रोकने के लिए दरवाजे बंद करने पड़े थे। एक बार फिर कॉकरोच पार्टी अब यहां प्रदर्शन के लिए मंजूरी मांग रही है। यहां तक की राहुल समेत विपक्ष भी जंतर-मंतर पर धरना देने की तैयारी में है। रामलीला मैदान भी संसद से करीब 3-4 किमी दूर है, जबकि बुराड़ी और जीएडी मैदान शहर के दूसरे हिस्सों में हैं। 9 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट ने भी जंतर-मंतर के विकल्प के तौर पर ऐसी बड़ी जगह तलाशने की बात कही थी।

सीजेपी का दिल्ली पुलिस को 24 घंटे का अल्टीमेटम

● कहा-प्रदर्शन की इजाजत नहीं मिली तो फिर आंदोलन करेंगे ● अभिजीत दीपके बोले- हिरासत का अधूरा वीडियो दिखाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी ने दिल्ली पुलिस को 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। उसने कहा कि जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की तारीख नहीं मिली तो फिर आंदोलन करेंगे। सीजेपी के सह-संयोजक आशुतोष रांका और सौरव दास सोमवार को प्रदर्शन की अनुमति मांगने पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन पहुंचे थे। इसी बीच, सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके ने आरोप लगाया कि दिल्ली पुलिस ने हिरासत का वीडियो एडिट करके जारी किया है। उन्होंने कहा- हिम्मत है तो पूरा वीडियो दिखाओ। दीपके के मुताबिक, दादी की मौत की खबर सुनने के बाद उन्होंने अपने चचेरे भाई से बात करने देने की अपील की। दो मिनट के लिए फोन देने के लिए भी कहा लेकिन पुलिस ने इजाजत नहीं दी। दीपके, रांका और दास को शनिवार को दिल्ली एयरपोर्ट पर हिरासत में लिया गया था।

महाराष्ट्र पीएससी पेपर लीक की जांच के लिए बनी कमेटी

तुकाराम मुंढे सेक्रेटरी नियुक्त, चेयरमैन छुट्टी पर भेजे गए

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार ने राज्य लोक सेवा आयोग में सुधार के लिए रविवार को एक कमेटी बनाई। इसमें फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन कमिश्नर तुकाराम मुंढे को सदस्य सचिव बनाया गया है। इसके बाद कैंडिडेट्स ने 10 दिन से चल रहा प्रदर्शन खत्म कर दिया। राज्य के मंत्री शिवेंद्रराजे भोसले ने पुणे में प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों को कमेटी बनाने की जानकारी दी। कमेटी के अध्यक्ष पूर्व जज दिलीप भोसले होंगे। इसमें आईपीएस अधिकारी लक्ष्मी गौतम, पूर्व आईएएस अधिकारी गणेश पाटिल और रिटायर्ड जज पीडी नाइक भी शामिल होंगे। दरअसल, छत्रपति संभाजीनगर में 30 जून को पीएसी की परीक्षाएं कंप्यूटर पर कराने के फैसले के खिलाफ अभ्यर्थियों ने प्रदर्शन शुरू किया था। अभ्यर्थियों की मांग थी कि परीक्षाएं ऑफलाइन कराई जाएं।

पीएसी के अध्यक्ष जांच पूरी होने तक छुट्टी पर गए

मंत्री ने प्रदर्शनकारियों की अन्य मांगें भी पूरी करने का भरोसा दिया। इनमें आंदोलन से जुड़े कुछ लोगों पर दर्ज केस वापस लेना, तीन साल में 70 हजार पदों पर भर्ती करना, जनवरी में होने वाली ग्रुप-सी परीक्षा में सीटें बढ़ाना और पीएसी के अध्यक्ष व सचिव की नियुक्ति से पहले उनके बैकग्राउंड की जांच करना शामिल है।

भारत सरकार लिखी गाड़ी, तीन वॉकी-टॉकी और आर्मी यूनिफॉर्म

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में मुर्शिदाबाद पुलिस ने एक नकली आर्मी अफसर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से कई इलेक्ट्रॉनिक सामान बरामद हुए हैं, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। यह घटना मुर्शिदाबाद के नबाग्राम पुलिस स्टेशन इलाके में हुई, जहां इस नकली अफसर को पकड़ा गया। आरोपी सागर दीघी का रहने वाला है। आरोपी तरुण दास के पास से भारत सरकार का स्टिकर लगी एक गाड़ी, तीन वॉकी-टॉकी, कई मोबाइल फोन, नकली पहचान पत्र, संदिग्ध दस्तावेज, नकद और धोखाधड़ी में इस्तेमाल होने वाला सामान जब्त किया गया। बरामद सामान की अभी जांच की जा रही है। अधिकारी इन दस्तावेजों के मकसद और इस घटना में किसी और के शामिल होने की जांच कर रहे हैं।

विंग अफसर बनकर लोगों को डराता धमकाता था आरोपी- पुलिस के मुताबिक,आरोपी आर्मी लेफ्टिनेंट कर्नल और मिलिट्री इंटेलिजेंस विंग का अफसर बनकर लोगों को डराता-धमकाता था।

विपक्ष ने सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ दाखिल की याचिका

● सुप्रीम कोर्ट तक मार्च निकाला, राहुल-प्रियंका खुली गाड़ी में पहुंचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। एसआईआर में गड़बड़ी के खिलाफ कांग्रेस ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। जिसमें राहुल गांधी, अखिलेश यादव,तेजस्वी यादव समेत 11 विपक्षी नेता याचिकाकर्ता हैं। इसमें चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पार्टी बनाया गया है। इससे पहले विपक्ष के नेताओं ने बाराखंबा से सुप्रीम कोर्ट तक मार्च निकाला। करीब एक किमी लंबे मार्च में विपक्ष के नेता बस में, पैदल और वाहन में सवार हुए। इस मार्च में कांग्रेस के सभी मुख्यमंत्री भी शामिल हुए। मार्च के पहले राहुल गांधी ने 40 मिनट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें उन्होंने कहा था कि विपक्ष का मार्च शिवजी की बारात की तरह है, इसमें कोई भी शामिल हो सकता है। रविवार को विपक्षी सांसदों ने दाखिल करने के लिए कहा था। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत द्वारा उनसे मिलने से इनकार करने और कोर्ट में

चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत को पत्र लिखा था और ज्ञापन सौंपने के लिए समय मांगा था। लेकिन सीजेआई ने मिलने से इनकार कर दिया था और याचिका याचिका दायर करने के लिए कहने के कुछ घंटों बाद, इंडिया गठबंधन के सुप्रीम कोर्ट तक मार्च के दौरान हजारों कांग्रेस समर्थकों ने अपने नेताओं का साथ दिया।

48 घंटे में लौटा दो कटा सिर, नागा सिविल सोसायटी का अल्टीमेटम

● **मणिपुर में हिंसा का नया दौर, तीन दिनों से तीन जिलों में भारी बवाल**

इम्फाल (एजेंसी)। कुकी बहुल इलाके में एक महिला की हत्या के बाद मणिपुर में हिंसा का एक नया दौर शुरू हो गया। कांगपोकपी समेत कई जिलों में नागा और कुकी के हथियारबंद गुटों के बीच संघर्ष जारी है। रविवार रात मणिपुर के ट्राइब्स काउंसिल और नागा सिविल सोसाइटी संगठन ने 52 साल के अजिनबो आर का कटा सिर वापस लाने की मांग करते हुए सरकार को 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया है।

शनिवार को सिर काट ले गए थे उग्रवादी

पीटीआई के मुताबिक, 52 साल के अजिनबो आर का सिर कटा शव रविवार रात इम्फाल के जवाहरलाल नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में पोस्टमार्टम के लिए लाया गया। इससे पहले शनिवार को एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें कैमोफ्लॉज पहने भारी हथियारों से लैस उग्रवादियों के बीच अजिनबो का सिर दिखाई दे रहा था। इससे नाराजगी बढ़ गई।

मेघालय बॉर्डर से देश में घुसे 18 बांग्लादेशी

● ट्रेन में सवार होने का मिला इनपुट, जांच हुई शुरू ● बिहार और यूपी समेत कई राज्यों में अलर्ट जारी

शिलांग (एजेंसी)। उत्तर पूर्व का मेघालय राज्य सामरिक रूप से भी बहुत महत्वपूर्ण है। बांग्लादेश की सीमा मेघालय से मिलती है। मेघालय के डाउकी बॉर्डर के बाद बांग्लादेश का सिलहट जिला शुरू हो जाता है। खुफिया इनपुट मिली है कि मेघालय सीमा पार कर 18 संदिग्ध बांग्लादेशी घुसपैठिये भारत में घुसे और अब अन्य राज्यों में फैलने की कोशिश कर रहे हैं। पूर्वी खासी हिल्स जिले का मुख्यालय शिलांग ही है जो राज्य की राजधानी भी है। पठार का अंत हो जाता है। यहां पहाड़ जैसे खत्म होता है उसके बाद बेहद गहरी खाई शुरू हो जाती है। पहाड़ की तलहटी की गहराई काफी है।

● **गुवाहाटी से अमरनाथ एक्सप्रेस पकड़ने की सूचना-** खुफिया इनपुट है कि ये घुसपैठिये मेघालय में प्रवेश कर नजदीक के गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पहुंचे। फिर वहां से लंबी दूरी की ट्रेन पकड़ कर अलग-अलग राज्यों में जाने की कोशिश की। इस इनपुट के बाद पूर्व मध्य रेलवे हाजीपुर ने बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड और मध्य प्रदेश पुलिस मुख्यालयों को थ्रेट एडवाइजरी जारी की है। इनपुट के मुताबिक इन 18 बांग्लादेशी घुसपैठियों में से 10 डाउकी बॉर्डर से और 8 मौसिनराम (मेघालय) सीमा से मेघालय पहुंचे थे। सूचना के मुताबिक मेघालय के मौसिनराम सीमा से भारत में घुसे 8 बांग्लादेशी घुसपैठिये गुवाहाटी पहुंचे और वहां से जम्मूतवी-अमरनाथ एक्सप्रेस में सवार हो गए।

प्राकृतिक सौंदर्य से भरा लाइटलूम

शिलांग से करीब 25 किलोमीटर दूर एक बहुत ही मनोरम स्थान है, लाइटलूम कैन्यन। लाइटलूम कैन्यन मेघालय के पूर्वी खासी हिल्स जिले में आता है। पूर्वी खासी हिल्स जिले का मुख्यालय शिलांग ही है जो राज्य की राजधानी भी है। लाइटलूम- खासी भाषा के दो शब्दों से बना है, लाइट और लूम। लाइट का मतलब के अंत और लूम का मतलब है पहाड़ी। यानी पहाड़ी का अंत। लाइटलूम अपने नाम को भौगोलिक रूप से सच साबित करता है। लाइटलूम में मेघालय के पठार का अंत हो जाता है। यहां पहाड़ जैसे खत्म होता है उसके बाद बेहद गहरी खाई शुरू हो जाती है। पहाड़ की तलहटी की गहराई करीब तीन हजार फीट है।

बिहार के सबसे बड़े अस्पताल में सुविधाओं का नया विस्तार

● **सीएम सम्राट बोले- अब 2500 बेड पर मरीजों का इलाज**

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (पीएमसीएच) के पुनर्विकास योजना के पहले चरण के तहत नवनिर्मित टावर-3 का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पीएमसीएच में अब एक साथ 2 ,500 बेड पर मरीजों का आधुनिक चिकित्सकीय सुविधाओं के साथ इलाज होगा। सरकार का उद्देश्य अस्पताल को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं से युक्त आधुनिक चिकित्सा संस्थान के रूप में विकसित करना है। मुख्यमंत्री ने उद्घाटन के बाद नवनिर्मित भवन का निरीक्षण किया और वहां उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं, मरीजों के पंजीकरण, उपचार व्यवस्था तथा निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी अधिकारियों से ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि अस्पताल में मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ सभी सुविधाओं का समुचित रखरखाव सुनिश्चित किया जाए।

संक्षिप्त समाचार

चोरी हुआ 14 चक्का ट्रक सहरसा में मिला, जीपीएस में मिली थी 140 किमी दूर लोकेशन

हाजीपुर। वैशाली के बिदुपुर थाना क्षेत्र के कंचनपुर चौक से एक 14 चक्का ट्रक चोरी हो गया। ट्रक के चालक के बयान और जीपीएस लोकेशन में अंतर मिलने से पुलिस की जांच उलझ गई है। ट्रक मालिक ने चालक और क्लीनर की भूमिका पर संदेह जताया है। पुलिस संभावित रास्तों के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। चालक रणधीर कुमार ने पुलिस को बताया कि 9 अक्टूबर की शाम महनार में बालू उतारने के बाद उसने ट्रक (BR 52G-5239) कंचनपुर चौक पर खड़ा किया था। इसके बाद वह अपने मौसा के घर खाना खाने चला गया। सुबह लौटने पर ट्रक वहां नहीं मिला। ट्रक मालिक उत्तम कुमार के अनुसार, चालक ने पहले टायर फटने की जानकारी दी थी। उस समय जीपीएस में ट्रक की लोकेशन महनार दिख रही थी। 10 अक्टूबर की सुबह ट्रक चोरी होने की जानकारी मिलने पर उसकी लोकेशन सहरसा में मिली। यह जगह घटनास्थल से करीब 140 किलोमीटर दूर है। ट्रक मालिक उत्तम कुमार चेन्नई में ट्रक चलाकर उसकी किस्तें चुका रहे हैं। वह पिछले दो साल से घर नहीं लौटे हैं। क्लीनर के भी गायब होने से संदेह गहरा गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और ट्रक की आवाजाही के संभावित रास्तों के सीसीटीवी फुटेज की पड़ताल में जुटी है।

टूटी स्प्रिंग देखकर तकनीशियन ने टाली रेल दुर्घटना, हाजीपुर यार्ड में ड्यूटी के दौरान खराबी पकड़ी

हाजीपुर। हाजीपुर में पूर्व मध्य रेल के सोनपुर मंडल में कार्यरत तकनीशियन लक्ष्मण प्रसाद को सतर्कता और कर्तव्यनिष्ठा के लिए सम्मानित किया गया है। उन्होंने ड्यूटी के दौरान लोको की टूटी हुई प्राइमरी स्प्रिंग देखकर तत्काल अधिकारियों को सूचना दी, जिससे समय रहते कार्रवाई की जा सकी और संभावित रेल दुर्घटना टल गई। घटना 26 सितंबर 2026 की है। लक्ष्मण प्रसाद सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे की पाली में हाजीपुर यार्ड में गाड़ी संख्या 19483 के डब्ल्यूडीजी-4डी लोको की जांच कर रहे थे। इसी दौरान दोपहर 3:09 बजे उन्होंने लोको संख्या 188784/WR-LWACCN (B-3) की फ्रंट ट्रॉली में दाईं ओर की प्राइमरी स्प्रिंग टूटी हुई देखी। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए लक्ष्मण प्रसाद ने बिना देर किए संबंधित अधिकारियों को इसकी सूचना दी। इससे समय रहते आवश्यक कदम उठाए जा सके। उनकी सतर्कता से लोको में मौजूद तकनीकी खराबी का समय पर पता चला। इस सराहनीय कार्य के लिए मंडल रेल प्रबंधक अमित सरन ने 12 अक्टूबर 2026 को लक्ष्मण प्रसाद को संरक्षा पुरस्कार और प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। डीआरएम ने उनकी सतर्कता और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की।

कोल्ड स्टोरेज के टैंक में मिला युवक का शव, 3 दिनों से था लापता, वाटर टैंक से उठी दुर्गंध के बाद जांच

हाजीपुर। वैशाली के बिदुपुर में सोमवार सुबह एक कोल्ड स्टोरेज के वाटर टैंक में युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव से दुर्गंध आने पर वहां काम कर रहे मजदूरों की नजर उस पर पड़ी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही बिदुपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से शव को वाटर टैंक से बाहर निकाला गया। मृतक की पहचान रजासन निवासी दीपक राम के बेटे सुरेश राम के रूप में हुई है। वह अपने ननिहाल पकड़ी गांव में रहता था। परिजनों के अनुसार, सुरेश राम पिछले तीन दिनों से लापता था। परिवार के लोग उसकी लगातार तलाश कर रहे थे। बताया गया कि उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी और वह कभी-कभी भटक जाता था। युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका फिलहाल खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के लिए FSL टीम को बुलाया। टीम ने मौके से जांच के लिए सैंपल लिए हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौत के कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही चल सकेगा।

पुलिस ने भटके युवक को पिता से मिलाया, धनबाद से भटककर भगवानपुर पहुंचा था संपो राय

हाजीपुर। वैशाली जिले के भगवानपुर थाना पुलिस ने धनबाद से भटककर पहुंचे एक युवक को उसके परिवार से मिला दिया। युवक की पहचान झारखंड के धनबाद जिले के टुंडी थाना क्षेत्र के निमोदी गांव निवासी संपो राय के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, संपो राय भटकते हुए भगवानपुर थाना क्षेत्र में पहुंच गए थे। पुलिस उन्हें थाने ले आई और पूछताछ के बाद उनकी पहचान की पुष्टि की। इसके बाद पुलिस ने उनके पिता नंदलाल राय से संपर्क किया। सूचना मिलने पर नंदलाल राय अपने साथियों के साथ भगवानपुर थाना पहुंचे। पुलिस ने जरूरी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद संपो राय को उनके पिता को सौंप दिया। नंदलाल राय ने बताया कि थाने से सूचना मिली थी कि उनका बेटा भटककर वैशाली पहुंच गया है। सूचना मिलते ही वे अपने साथियों के साथ थाने पहुंचे और बेटे को लेकर घर जा रहे हैं। उन्होंने वैशाली पुलिस के प्रति आभार जताया।

युवक-युवती मौत केस में लड़के की पहचान नहीं हुई

पटना। पटना के कुम्हरार रेलवे ट्रैक पर 9 अक्टूबर को मिले युवक-युवती के शव मामले में पुलिस की जांच जारी है। युवती की पहचान TPS कॉलेज की रहने वाली शैली कुमारी के रूप में हुई है। जांच में पता चला कि 5 अक्टूबर को घर से लापता होने के बाद शैली झारखंड पहुंची थी। पुलिस ने शैली के मोबाइल का CDR खंगाला, ताकि उसके संपर्क में रहे लोगों के जरिए मृत युवक की पहचान हो सके। हालांकि, अब तक CDR में किसी अनजान व्यक्ति से बातचीत का रिकॉर्ड नहीं मिला है। अधिकतर कॉल परिजनों से हुई है। इससे पुलिस के सामने मृत युवक की पहचान करना चुनौती बना हुआ है। अब पुलिस सोमवार को शैली और उसके परिजनों के बैंक खातों की जानकारी लेने संबंधित बैंक शाखा जाएगी। ट्रांजेक्शन हिस्ट्री के जरिए यह पता लगाने की कोशिश होगी कि शैली ने किन लोगों के खातों में रुपये भेजे थे। शुरुआती जांच में सामने आया है कि 5 अक्टूबर से पहले शैली ने अपने पिता के खाते से 80 हजार रुपये डेबिट किए थे। पुलिस इस लेनदेन को भी जांच का अहम हिस्सा मान रही है। मनोज कुमार मृतका के चचेरे भाई ने बताया, फॉर्म भरने के लिए घर से NIT आई थी। उसके बाद गुमशुदा हो गई। दोस्त यार से पता करने पर भी कुछ नहीं पता चला। परिजन थाने की लापरवाही इसमें मान रहे हैं। भाई का कहना है कि आखिरी 3 दिन लड़की कहां रही। इसका पता क्यों नहीं लगाया गया। भाई ने यह भी बताया कि ऑनलाइन काफी एक्टिव थी। गुमशुदा होने के बाद दुबई से भी एक कॉल आया था। जिसमें समाने वाला कहा कि दुबई से बोल रहा हूं। 10000 रुपये शैली लोन ली है। भेजिए नहीं तो लीगल एक्शन लिया जाएगा। पिता संजीव कुमार प्रजापति महावीर आरोग्य संस्थान में कर्मचारी हैं। उनका कहना है कि बेटी की हत्या हुई है। मारकर रेलवे ट्रैक पर फेंका गया है। तीन बच्चों में बेटी सबसे बड़ी थी। थाने की लापरवाही है, जो मेरी बेटी को खोज नहीं पाई।

एसआईआर के विरोध में छात्र संगठन का लोक भवन मार्च

एजेंसी, पटना

❒ **आईसा-रिवोल्यूशनरी यूथ एसोसिएशन की ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग, गांधी मैदान पर जुटेंगे सभी छात्र**

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग को लेकर कल पटना में छात्र-युवा संगठनों की ओर से लोक भवन मार्च किया जाएगा। ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (AISA) और रिवोल्यूशनरी यूथ एसोसिएशन (RYA) के नेतृत्व में यह प्रदर्शन होगा। कल सुबह 11 बजे गांधी मैदान के गेट नंबर-10 के पास सभी छात्र जुटेंगे।

एसआईआर प्रक्रिया के खिलाफ जताएंगे विरोध: माले विधायक संदीप सौरव ने कहा, देश के लोकतंत्र पर एक संकट छा गया है। यह सिर्फ विपक्ष का आरोप नहीं है बल्कि कई खुलासे भी हुए हैं। दो चुनाव आयुक्त के विपत्ति के बावजूद SIR की पूरी प्रक्रिया की गई। हर आठवें वोटर का नाम वोटर लिस्ट से काट दिया गया है। केंद्र में दो परसेंट के मार्जिन से सरकार चल रही है। इसके अलावा चुनाव आयोग की जो केंद्रीय वेबसाइट है उसमें वोटर लिस्ट को लेकर जो सुधार की जा सकती थी, वह भी अधिकार स्थानीय अधिकारी से छीन लिया गया। ज्ञानेश कुमार ने अपनी टीम बनाकर भाजपा के पक्ष में इसे मॉनिटर करवाया।

देश में अघोषित आपातकाल चल रहा: AISA पटना की उपाध्यक्ष सबा आफरीन ने BJP पर वोट चोरी कर सत्ता में आने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि देश में अघोषित आपातकाल चल रहा है। दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान हुई घटना के विरोध में सड़क पर छात्र-युवा उतरेंगे। SIR के मुद्दे पर AISA और RYA का प्रदर्शन, अधिक से अधिक लोगों से शामिल होने की अपील की है। चुनावी प्रक्रिया और मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों पर अपनी मांगों को लेकर वे एकजुट होकर आवाज उठाएंगे।

चुनावी प्रक्रिया को लेकर पहले भी उठे हैं सवाल: मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों और संगठनों की ओर से समय-समय पर सवाल उठाए गए हैं। प्रदर्शनकारी संगठन इसी मुद्दे पर अपना विरोध दर्ज कराने के साथ मुख्य निर्वाचन आयुक्त को पद से हटाने की मांग को प्रमुखता से उठाने की तैयारी में हैं।

बालू लदी चलती ट्रक में लगी आग

एजेंसी, पटना

पटना में बाढ़ अनुमंडल क्षेत्र के औंटा-सिमरिया सिक्स लेन पर 18 चक्का ट्रक में अचानक डीजल लीक होने से आग लग गई। ट्रक से अचानक लपटें उठती देख आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया और वाहन चालकों ने अपनी गाड़ियों को दूर रोक दिया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने किसी तरह आग पर काबू पाया।

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करते हुए मौके पर पहुंची पुलिस ने सिक्स लेन पर वाहनों के आवागमन को पूरी तरह रोक दिया है। इसके चलते सिक्स लेन पर गाड़ियों की लंबी कतारें लग गई हैं और लगभग दो किलोमीटर लंबा भयंकर जाम लग गया है, जिस कारण लगभग एक घंटे से यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

आग पर काबू पाने के बाद यातायात को दोबारा चालू किया जाएगा। गनीमत यह रही कि इस दुर्घटना में किसी भी प्रकार के जानमाल के नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है। जाम में फंसे ट्रक ड्राइवर ने कहा कि 18 चक्का ट्रक में आग लग गई है जिस कारण वह भी लगभग एक घंटे से जाम में फंसे हैं। वह किशनगंज जा रहे थे। गनीमत रही कि चालक ने समय रहते कूद कर जान बचा लिया।

अरवल से बालू लेकर बेगूसराय जा रही थी ट्रक: थानाध्यक्ष अभिषेक कुमार सिंह ने बताया की ट्रक अरवल से बालू लेकर बेगूसराय जा रही थी, इसी दौरान आउंटा गोलम्बर से सिक्स लेन सेतु के बीच डीजल लीक होने से ट्रक में आग लग गई, लेकिन चालक ने समझदारी दिखाई और ट्रक को किनारे खड़ा कर उतर भागा, पुलिस को जैसे ही सूचना मिली ,तुरंत दमकल के साथ पहुँची हाथीदह थाना की टीम ने आग पर काबू पा लिया।

शारदीय नवरात्र का दूसरा दिन, मां ब्रह्मचारिणी की पूजा

एजेंसी, पटना

कलश स्थापना के साथ ही शारदीय नवरात्रि की शुरुआत हो चुकी है। आज नवरात्र के दूसरे दिन स्वाति नक्षत्र और जयद् योग में माता ब्रह्मचारिणी की पूजा हो रही है। पटना सिटी के बड़ी पटन देवी मंदिर में मां ब्रह्मचारिणी की आरती की गई। मंदिर में भक्तों की भीड़ है। इधर बेगूसराय के प्रसिद्ध शक्तिपीठ जयमंगला गढ़ में बड़ी संख्या में भक्त पूजा-अर्चना के लिए पहुंच रहे हैं। बांका में में बैंड बाजे के साथ कलश शोभा यात्रा निकाली गई। 551 महिलाएं और युवतियां शामिल हुईं। इसमें देवी-देवताओं की झांकियां भी शामिल थीं।

आचार्य राकेश झा ने बताया कि ब्रह्म का अर्थ है तपस्या। चारिणी का मतलब है आचरण करने वाली देवी। इस माता के हाथ में अक्ष माला और कमंडल होता है। माता ब्रह्मचारिणी की पूजा से ज्ञान, सदाचार, लगन, एकाग्रता व संयम रखने की शक्ति प्राप्त होती है। श्रद्धालु अपने कर्म पथ से नहीं भटकता है तथा दीर्घायु होता है। कलियुग में समस्त कामनाओं को सिद्ध करने वाली माता दुर्गा अपने भक्तों का दुःख, दरिद्रता, भय, रोग का नाश तथा निर्भयता, सुख, ऐश्वर्य, यश, कामना व सिद्धि प्रदान करती है।

कुशल युवा कार्यक्रम केंद्रों को दोबारा चालू करने की मांग, पटना में 200 संचालकों ने दिया धरना

एजेंसी, पटना

❒ **बीजेपी ऑफिस का किया घेराव**

बिहार में पूर्व संचालित 1731 कुशल युवा कार्यक्रम (KYP) केंद्रों को दोबारा चालू कराने की मांग को लेकर सोमवार को पटना में केंद्र संचालकों ने धरना-प्रदर्शन किया। बिहार कौशल विकास मिशन के KYP केंद्र संचालक बड़ी संख्या में नियोजन भवन के गेट के पास जुटे। प्रदर्शन में 200 से अधिक संचालक शामिल रहे। प्रदर्शनकारी अपनी मांगों को लेकर नियोजन भवन के गेट के पास जुटे जिसके बाद वो भाजपा ऑफिस तक पहुंचे। भारी संख्या में केंद्र संचालक नियोजक भवन के सामने जुटे और जमकर नारेबाजी की।

871 केंद्रों के लिए ही जारी हुई अधिसूचना: केंद्र संचालकों का कहना है कि विभागीय स्तर पर हुई वार्ता के दौरान सभी पुराने KYP केंद्रों को चालू रखने का आश्वासन दिया गया था। इसके बावजूद बाद में केवल 871 केंद्रों पर KYP डिजिटल मित्र कार्यक्रम शुरू करने को लेकर अधिसूचना जारी की गई। इससे बड़ी संख्या में पुराने केंद्र संचालकों के सामने रोजगार और संचालन को लेकर संकट पैदा हो गया है।

पुरानी प्रशिक्षण व्यवस्था बहाल करने की मांग: प्रदर्शनकारी संचालक पुरानी प्रशिक्षण व्यवस्था को बहाल करने के साथ सभी 1731 पूर्व संचालित केंद्रों को दोबारा शुरू करने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि पहले की तरह केंद्रों की इंटेक क्षमता भी बहाल की जाए, ताकि युवाओं को कौशल प्रशिक्षण का लाभ मिल सके। संचालकों ने विभाग से जल्द निर्णय लेकर सभी पुराने केंद्रों को संचालित करने की मांग की है। केंद्र संचालकों का कहना है कि पुराने केंद्रों के बंद रहने से युवाओं को कौशल प्रशिक्षण उपलब्ध कराने की व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। उन्होंने विभाग से जल्द निर्णय लेकर सभी पूर्व संचालित केंद्रों को शुरू करने और प्रशिक्षण व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं का समाधान करने की मांग की है। विभाग की ओर से इन मांगों पर क्या निर्णय लिया जाता है, इस पर केंद्र संचालकों की नजर है।

एक्टर गुरमीत चौधरी बोले- पटना बड़े शहर से कम नहीं, फिल्मों में गलत दिखाते, वास्तविकता कुछ और

एजेंसी, पटना

बॉलीवुड अभिनेता गुरमीत चौधरी और अभिनेत्री ईशा मालवीय अपनी आगामी हिंदी फिल्म 'तुम मेरे हो' के प्रमोशन के लिए सोमवार को पटना पहुंचे। गुरमीत ने प्रमोशन के दौरान कहा कि बिहार को सिर्फ लिट्टी चोखा से कंपेयर नहीं करना चाहिए, क्योंकि यहां पर बहुत कुछ है। पटना किसी भी बड़े शहर से कम नहीं है। मैं यहां के सरकार को धन्यवाद देना चाहता हूं। उन्होंने अपने पुराने दिन को याद करते हुए कहा कि मेरे पिता आर्मी कितने थे और मुझे याद है कि जब हम लोग अपने गांव जाते थे और ट्रेन रात में स्टेशन पर रुकती थी, तो हम लोग घर नहीं जाते थे। सभी लोग स्टेशन पर ही रुकते थे। हम सुबह होने का इंतजार करते थे और फिर घर जाते थे। कहने का मतलब यह है कि हमारे मन में इतना डर था कि हमें कहीं भी कोई लूट लेगा। मगर आज हालात और माहौल बदल गए हैं। फिल्मों में बिहार को गलत तरीकों से दिखाया जाता है मगर मेरा बिहार बहुत अच्छा है।

पटना पहुंचने के बाद फिल्म की टीम ने प्रशंसकों और स्थानीय लोगों से मुलाकात की। कलाकारों ने शहर के बाजारों का दौरा कर फिल्म का प्रचार किया। अपने पसंदीदा कलाकारों को करीब से देखने और उनसे मिलने के लिए प्रशंसकों में उत्साह नजर आया। टीम ने लोगों से फिल्म को सिनेमाघरों में देखने की अपील भी की। अभिनेता गुरमीत चौधरी ने कहा कि पटना आना उनके लिए हमेशा खास रहा है। बिहार से उनका भावनात्मक जुड़ाव है और यहां के लोगों का प्यार उन्हें प्रेरित करता है।

अभिनेत्री ईशा मालवीय ने पटना में लोगों से मिलकर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि फिल्म 'तुम मेरे हो' उनके लिए खास है। हमने इस फिल्म को बनाने में काफी मेहनत की है खासकर तब जब इंडस्ट्री में आपका कोई गॉडफादर ना हो। उन्हें उम्मीद है कि दर्शक फिल्म की कहानी और किरदारों से खुद को जोड़ पाएंगे। ईशा ने बिहार के दर्शकों से फिल्म को प्यार देने और सिनेमाघरों में देखने की अपील की। ईशा पहली बार पटना आई है और उन्हें पटना काफी अच्छा लगा। उन्होंने बिहार सरकार की भी काफी तारीफ की। उन्होंने कहा कि आज मैं पटना में हूं और यहां पर काफी डेवलपमेंट देखने को मिल रहा है। यहां के स्कूल और कॉलेज में भी काफी अच्छा इंफ्रास्ट्रक्चर है। फिल्म की निर्माता आरती सिंह और देबिना बनर्जी ने कहा कि निर्देशक आशीष पांडा के साथ 'तुम मेरे हो' एक खास प्रोजेक्ट है। फिल्म के प्रचार की शुरुआत पटना से करना उनके लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि बिहार के दर्शकों का सिनेमा के प्रति प्यार और उत्साह हमेशा प्रेरित करता है। टीम को उम्मीद है कि दर्शक फिल्म को पसंद करेंगे और इसे देखने सिनेमाघरों तक पहुंचेंगे।

रेलवे की जमीन को अतिक्रमण मुक्त करने का निर्देश

एजेंसी, पटना

प्रकाश पर्व की तैयारियों को लेकर महाप्रबंधक डिम्पी गर्ग ने सोमवार को पटना साहिब रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने यात्री सुविधाओं, अवैध अतिक्रमण और स्टेशन परिसर में पार्किंग व्यवस्था का जायजा लिया। महाप्रबंधक ने अधिकारियों को अतिक्रमण हटाने और पार्किंग की बेहतर सुविधा विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यात्रियों को स्टेशन आने-जाने में किसी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए। पटना साहिब स्टेशन सिखों के दसवें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज की जन्मस्थली होने के कारण धार्मिक दृष्टि से विशेष महत्व रखता है। प्रकाश पर्व के दौरान देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। ऐसे में स्टेशन पर भीड़ प्रबंधन, यात्री सुविधाओं और सुगम आवागमन की व्यवस्था को बेहतर बनाना रेलवे के लिए महत्वपूर्ण है।

निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने अधिकारियों को पार्किंग सुविधा विकसित करने के लिए उपयुक्त स्थान चिह्नित कर आगे की कार्रवाई करने को कहा। व्यवस्थित पार्किंग की व्यवस्था होने से श्रद्धालुओं और यात्रियों को स्टेशन तक पहुंचने के साथ ही उन्हें छोड़ने या लेने आने वाले लोगों को भी सहूलियत मिलेगी। इससे स्टेशन के आसपास वाहनों के अनियंत्रित जमाव को कम करने में भी मदद मिल सकती है।

पटना में जोनल आईजी ने की समीक्षा बैठक

एजेंसी, पटना

केंद्रीय क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक जितेंद्र राणा ने सोमवार को पटना में पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान पटना पुलिस के काम की समीक्षा की गई। बैठक में पटना के वरीय पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय शर्मा समेत पुलिस के कई बड़े अधिकारी मौजूद रहे। आईजी ने पुलिस अधिकारियों को इमरजेंसी में मिलने वाली मदद को बेहतर बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि किसी घटना या परेशानी की सूचना मिलने के बाद पुलिस को जल्द से जल्द मौके पर पहुंचना चाहिए। इसके लिए पुलिस की व्यवस्था को और मजबूत करने को कहा गया।

बैठक में नशे, शराब और दूसरे गंभीर अपराधों के मामलों पर भी चर्चा हुई। आईजी ने ऐसे मामलों की लगातार जांच और समीक्षा करने का निर्देश दिया। पुलिस मुख्यालय से मांगी जाने वाली सभी रिपोर्ट समय पर भेजने को भी कहा गया। इसके साथ ही जिलों में मौजूद प्रमुख और महत्वपूर्ण जगहों की सुरक्षा व्यवस्था की जांच करने और जहां कमी मिले, उसे दूर करने का निर्देश दिया गया। अधिकारियों को आपस में मिलकर काम करने और समय पर सूचना जुटाने को कहा गया, ताकि कानून-व्यवस्था बेहतर बनी रहे। आईजी ने पटना के वरीय पुलिस अधीक्षक को सभी अधिकारियों के काम की हर 15 दिन में समीक्षा करने का निर्देश दिया।

पटना यूनिवर्सिटी का स्थापना दिवस समारोह

एजेंसी, पटना

♦ **12 मेधावियों को मिला गोल्ड मेडल, उच्च शिक्षा मंत्री संजय कुमार टाइगर ने किया सम्मानित**

पटना यूनिवर्सिटी के 109वें स्थापना दिवस को लेकर आज सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जयप्रकाश नारायण अनुषद भवन (सीनेट हॉल) में कार्यक्रम हुआ। समारोह में 12 मेधावी विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि और उच्च शिक्षा मंत्री संजय कुमार टाइगर ने मेधावी स्टूडेंट्स को सम्मानित किया।

समारोह में अंग्रेजी विभाग के सेवानिवृत्त शिक्षक प्रो. शिवजतन ठाकुर बतौर सम्मानित अतिथि शामिल हुए। बिहार पुलिस के पूर्व महानिदेशक विनय कुमार विशिष्ट पूर्ववर्ती छात्र के रूप में कार्यक्रम में भाग लिया। वहीं, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय कुमार सिंह समारोह की अध्यक्षता की। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों और विद्यार्थियों की मौजूदगी रही।

मेधावी विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित: स्थापना दिवस समारोह में विभिन्न पाठ्यक्रमों के 12 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल देकर उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों को सम्मानित किया गया। इनमें यूजी वोकेशनल, सेल्फ फाइनेंस, बीएड, एलएलबी और फाइन आर्ट्स के मेधावी विद्यार्थियों शामिल थे।

मैं पटना यूनिवर्सिटी का पूर्व छात्र रहा हूं- मुख्य सूचना आयुक्त: मुख्य सूचना आयुक्त विनय कुमार ने कहा कि मैं पटना यूनिवर्सिटी का पूर्व छात्र रहा हूं और इसका बखान मैंने अपने पिताजी से सुना था। पटना यूनिवर्सिटी को देखने के लिए मैं अपने गृह जिले वैशाली से पटना अपने पिता के साथ साइकिल पर आया था। क्योंकि उस वक्त पटना आना इतना आसान नहीं होता था। कभी-कभी पूरा दिन लग जाता था। उन्होंने बताया, 'जब मैं पटना यूनिवर्सिटी आया तो इसके कॉलेज को देखा। मेरे पिता ने मुझे सपना दिखाया कि मुझे यहां पढ़ना है। कुछ दिन बाद मैंने पटना साइंस कॉलेज में एडमिशन लिया। आज मैं जहां भी जाता हूं, वहां पटना यूनिवर्सिटी का बखान करना नहीं भूलता।'

समारोह के दौरान उच्च शिक्षा, शैक्षणिक उपलब्धियों और विश्वविद्यालय की ऐतिहासिक विरासत को याद किया गया। पटना विश्वविद्यालय की स्थापना वर्ष 1 अक्टूबर 1917 में हुई थी। बिहार और ओडिशा के अलग प्रांत बनने के बाद राज्य में उच्च शिक्षा के विस्तार की जरूरत महसूस की गई। इसी क्रम में विश्वविद्यालय की स्थापना की पहल हुई। इसके लिए छोटानागपुर क्षेत्र पर भी विचार किया गया था, लेकिन अंत में पटना को मुख्यालय चुना गया। शुरुआत में महज 17 विद्यार्थियों से शुरू हुआ विश्वविद्यालय आज राज्य के प्रमुख उच्च शिक्षण संस्थानों में शामिल है। यहां वर्तमान में करीब 25 हजार छात्र-छात्राएं पढ़ाई कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

एलएनडी कॉलेज में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बीएनएम@ मोतिहारी। शहर के लक्ष्मी नारायण दुबे (एलएनडी) कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की महाविद्यालय इकाई के तत्वावधान में सोमवार को विश्व मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह के अवसर पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। महाविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए तनाव, अवसाद और नकारात्मक विचारों से बचाव के व्यावहारिक उपाय बताए। कार्यक्रम का संचालन करते हुए एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. रवि रंजन सिंह ने विषय प्रवेश कराया। मुख्य वक्ता क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉ. नगमा जमीर ने मानसिक स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भागदौड़ भरी जिंदगी और डिजिटल युग में मानसिक संतुलन बनाए रखना बेहद जरूरी है। तनाव, घबराहट, अवसाद और नकारात्मक विचारों से निपटने के लिए उन्होंने व्यावहारिक एवं मनोवैज्ञानिक उपायों की जानकारी दी। साथ ही, विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए सकारात्मक सोच, संतुलित दिनचर्या और आत्म-संवाद के महत्व को रेखांकित किया। गणित विभागाध्यक्ष डॉ. दीपक कुमार ने कहा कि स्वस्थ शरीर के साथ स्वस्थ मस्तिष्क भी जीवन की सफलता के लिए आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को एकाग्रता बढ़ाने और समय प्रबंधन के गुर बताए। वहीं, मनोविज्ञान विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ. अनीता कुमारी ने मानसिक स्वास्थ्य बनाए रखने में सामाजिक और पारिवारिक जुड़ाव की अहमियत बताई। उन्होंने कहा कि अकेलेपन से बचने के लिए अपनों के साथ संवाद बनाए रखना, अपनी भावनाओं को साझा करना और मिल-जुलकर रहना जरूरी है। परेशानियों को साझा करने से तनाव कम करने में मदद मिलती है। एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. रवि रंजन सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। मानसिक रूप से स्वस्थ युवा ही देश और समाज के निर्माण में सकारात्मक योगदान दे सकते हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं और एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया। आयोजन को सफल बनाने में स्वयंसेवक दिलीप कुमार, इमरान, अनुराग, निकिता, पल्लवी, शुभांगी, भारती और नितेश कुमार सहित अन्य स्वयंसेवकों ने सक्रिय भूमिका निभाई। अंत में एनएसएस स्वयंसेवक नितेश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया, जिसके साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

हरपुर राय में युवा दंपती के शव मिलने से सनसनी, प्रेम विवाह के एक साल बाद संदिग्ध मौत

पति-पत्नी के शव फंदे से लटके मिले, एफएसएल टीम ने जुटाए साक्ष्य; आत्महत्या और हत्या समेत सभी पहलुओं पर जांच

बीएनएम@ मोतिहारी/हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के हरपुर राय गांव में रविवार को एक युवा दंपती के शव फंदे से लटके मिलने से सनसनी फैल गई। मृतकों की पहचान हरपुर पकड़ी गांव निवासी परवेज आलम और उसकी पत्नी सोनी खातून के रूप में हुई है। सोनी मलाही थाना क्षेत्र के सिकटिया गांव की रहने वाली थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी और घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के लिए एफएसएल टीम को बुलाया। स्थानीय लोगों के अनुसार, दोनों ने करीब एक साल पहले परिवार की मर्जी के खिलाफ घर से भागकर प्रेम विवाह किया था। इसके बाद वे हरपुर राय गांव में रह रहे थे। दंपती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से परिजनों में मातम पसरा है। हरसिद्धि थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि परिजनों के अनुसार, पति-पत्नी के शव फंदे से लटके मिले थे। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन हत्या की आशंका समेत सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया शुरू की है। परिजनों से भी पूछताछ की जा रही है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के कारणों का पता चल सकेगा। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है। फिलहाल, पुलिस किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले सभी संभावित बिंदुओं की जांच कर रही है।

लोकसभा चुनाव से पहले 7वां वेतनमान नहीं दिला पाए तो वोट मांगने नहीं आएंगे: प्रशांत किशोर

सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में जन सुराज के प्रत्याशी अफाक अहमद के समर्थन में उठी अपील की बुलंद आवाज़

बीएनएम@ मोतिहारी

» शिक्षक संवाद के दौरान पीके ने कहा- 6 लाख शिक्षक एकजुट हुए तो सभी दलों को निकालना होगा समाधान; वित्तरहित शिक्षकों की समस्याएं दूर करने का भी दिया भरोसा

जन सुराज के सूत्रधार एवं बांकीपुर के विधायक प्रशांत किशोर ने कहा कि यदि लोकसभा चुनाव से पहले शिक्षकों को सातवां वेतनमान नहीं दिला पाए, तो वोट मांगने नहीं आएंगे। उन्होंने दशकों से लंबित वित्तरहित शिक्षकों की समस्याओं के समाधान का भी भरोसा दिया। सोमवार को वे मोतिहारी शहर के एक निजि होटल के सभागार में आयोजित शिक्षक संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से जन सुराज के प्रत्याशी अफाक अहमद के पक्ष में समर्थन की अपील की। प्रशांत किशोर ने कहा कि सातवें वेतनमान का मुद्दा शिक्षकों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। यदि बिहार के छह लाख शिक्षक एकजुट हो जाएं, तो राज्य के सभी राजनीतिक दलों को इसका समाधान निकालने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाना जरूरी है, क्योंकि केंद्र में सत्ता हासिल करने के लिए राजनीतिक दलों को बिहार में भी जीत चाहिए। उन्होंने कहा कि दो लाख शिक्षक एक साथ आकर, चाहे वे किसी भी शिक्षक संघ से जुड़े हों, एकजुट आंदोलन करें तो एक साल के प्रयास से सातवें वेतनमान को राष्ट्रीय राजनीतिक मुद्दा बनाया जा सकता है। इससे सभी दलों पर समाधान निकालने का दबाव बनेगा। पीके ने एनडीए पर निशाना साधते हुए कहा कि 20 वर्षों से सत्ता में रहने के बावजूद भाजपा-जदयू की सरकार शिक्षकों को सातवां वेतनमान नहीं दिला पाई और अब अगले साल इसका लाभ दिलाने का आश्वासन दे रही है। उन्होंने राजद पर भी निशाना साधते हुए कहा कि 2020 में समान काम-समान वेतन के नाम पर वोट लेने के बावजूद तेजस्वी यादव और के. चंद्रशेखर यादव के शिक्षा मंत्री रहने के दौरान शिक्षकों की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि भाजपा, जदयू और राजद यदि यह कहें कि वे अगले साल तक सातवां वेतनमान नहीं दिला पाएंगे, तो लोकसभा चुनाव में वोट मांगने नहीं आएंगे। पीके ने कहा कि उनका उद्देश्य केवल विधायक या सांसद बनना नहीं है, बल्कि सरकार से काम कराना है। उन्होंने दावा किया कि बांकीपुर में 10 हजार शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार देने का मुद्दा उठाने के बाद अब सरकार रोजगार मेले आयोजित कर रही है और दूसरे विधायक भी रोजगार की बात करने लगे हैं। कहा कि एमएलसी चुनाव न तो सरकार बनाने या गिराने का चुनाव है और न ही जाति या किसी राजनीतिक दल के नेता को सदन में पहुंचाने का। यह चुनाव सरकार को जवाबदेह बनाने, अपने वेतनमान और अपने बच्चों के रोजगार के लिए आवाज उठाने का अवसर है। उन्होंने शिक्षकों से अपील करते हुए कहा, "नेताओं को जिताया, पार्टियों को जिताया, जातियों को जिताया, एक बार खुद को और अपने बच्चों को जिताइए।" उन्होंने कहा कि शिक्षकों का आंदोलन पिछले 25 वर्षों से जारी है, लेकिन लंबे समय तक किसी ने इस मुद्दे को गंभीरता से नहीं उठाया। उनके अनुसार, जब उन्होंने सातवें वेतनमान के मुद्दे पर पहल की और हेल्पलाइन जारी की, तो 18 हजार शिक्षकों ने मिस्ड कॉल के जरिए अपना समर्थन जताया। कहा कि यदि दो लाख शिक्षक इस अभियान से जुड़ते हैं, तो शिक्षकों के हित में जरूरी कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने शिक्षकों से केवल वोट देने की अपील करने के बजाय बिहार बदलाव अभियान से जुड़ने और उसे गांव-गांव तथा घर-घर तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि बिहार को बेहतर बनाने के इस प्रयास को छह लाख शिक्षक घर-घर तक पहुंचाएं। वे अपने बच्चों को समझाएं कि उनके भविष्य और रोजगार के लिए जाति, धर्म, राजनीतिक दल और नेताओं से ऊपर उठकर मतदान करना जरूरी है।

एमजीसीयू में एचआईवी-एड्स जागरूकता पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित

बीएनएम@ मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के सेहत केंद्र की ओर से एचआईवी-एड्स से बचाव एवं नियंत्रण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को एचआईवी-एड्स के संबंध में सही वैज्ञानिक जानकारी देना, समाज में व्याप्त भ्रांतियों को दूर करना तथा बचाव के प्रति जागरूक और जिम्मेदार व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित करना था। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों को एचआईवी क्या है, यह कैसे फैलता है और किन परिस्थितियों में नहीं फैलता है, इसकी विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही असुरक्षित यौन संबंध, संक्रमित सुई के इस्तेमाल और संक्रमित रक्त से होने वाले संक्रमण के खतरों के प्रति जागरूक किया गया। सुरक्षित यौन व्यवहार तथा कंडोम के सही उपयोग के महत्व पर भी जोर दिया गया। कार्यक्रम में एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों के प्रति समाज में व्याप्त छुआछूत और भेदभाव को समाप्त करने का संदेश दिया गया। विद्यार्थियों को बताया गया कि एचआईवी छूने, साथ भोजन करने या हाथ मिलाने से नहीं फैलता है। ऐसे में एचआईवी पॉजिटिव व्यक्तियों के साथ सम्मानजनक व्यवहार करना और उन्हें सामाजिक रूप से स्वीकार करना आवश्यक है। इस अवसर पर 'एचआईवी को जानें-समझें, बचाव करें, भेदभाव नहीं, अपनाएं' का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में संस्कृत विभाग के विद्यार्थी एवं शोधार्थी, हिंदू अध्ययन विषय के स्नातकोत्तर विद्यार्थी तथा विश्वविद्यालय के अन्य विभागों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। निबंध प्रतियोगिता के अवसर पर सेहत केंद्र के समन्वयक डॉ. बबलू पाल, सह-समन्वयक डॉ. गोविंद प्रसाद वर्मा तथा हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. श्याम नंदन उपस्थित रहे।

दुर्गा पूजा को लेकर डीएम व एसपी ने किया पूजा पंडालों का निरीक्षण

» झूला और मनोरंजन के साधनों को मेला परिसर से अलग रखने का निर्देश, सीसीटीवी कैमरे लगाने और पार्किंग की समुचित व्यवस्था पर जोर

बीएनएम@ मोतिहारी

दुर्गा पूजा के मद्देनजर विधि-व्यवस्था, सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण की तैयारियों का जायजा लेने के लिए जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव एवं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने सोमवार को शहर के छतौनी सहित पिपराकोठी स्थित पूजा पंडालों का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने पूजा पंडालों में उपलब्ध सुविधाओं एवं सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों और पूजा समिति के संचालकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। छतौनी स्थित पूजा पंडाल के निरीक्षण के दौरान मेला परिसर में उमड़ने वाली भीड़ के प्रबंधन, झूला एवं बच्चों के मनोरंजन के अन्य साधनों की व्यवस्था पर विशेष चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने झूला एवं बच्चों के मनोरंजन के अन्य साधनों को मेला परिसर से अलग स्थान पर लगाने का निर्देश दिया, ताकि श्रद्धालुओं की आवाजाही सुचारु रहे और भीड़ नियंत्रण में किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने पूजा पंडाल परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाने तथा वाहनों की पार्किंग के लिए अलग से स्थान चिह्नित करने का निर्देश दिया। साथ ही पार्किंग स्थल पर स्पष्ट जानकारी देने वाले फ्लेक्स लगाने को कहा, जिससे श्रद्धालुओं को वाहन खड़ा करने में सुविधा हो। पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने कहा कि भीड़ नियंत्रण एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए दंडाधिकारी के साथ पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की जाएगी। इसके अलावा सादे लिबास में भी पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे, ताकि असामाजिक तत्वों पर नजर रखी जा सके। उन्होंने पूजा पंडाल संचालकों को अग्निशमन विभाग से अग्नि सुरक्षा संबंधी प्रमाणपत्र प्राप्त करने का निर्देश भी दिया। पिपराकोठी स्थित पूजा पंडाल के निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर मोतिहारी को पंडाल के निर्माण कार्य की मजबूती की जांच करने का निर्देश दिया गया, ताकि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। इसके बाद जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने छतौनी बस स्टैंड के समीप स्थित नेहरू स्टेडियम का भी निरीक्षण किया। यहां भी भीड़ नियंत्रण और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी, सदर मोतिहारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, टाउन थाना एवं छतौनी थाना के पुलिस पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

हरियाली की नई इबारत लिखेगी पंचमंदिर समिति, 20 एकड़ में रोपे गए आम की 33 किस्मों के 360 पौधे

» डीएम व एसपी ने किया वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ, चंपारण की आम उत्पादन से जुड़ी ऐतिहासिक पहचान को पुनर्जीवित करने की पहल

बीएनएम@ मोतिहारी

पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने की दिशा में पंचमंदिर प्रबंध समिति ने एक सराहनीय पहल की है। समिति की ओर से सोमवार को मजुराहां स्थित करीब 20 एकड़ जमीन पर आम की 33 किस्मों के 360 पौधे लगाए गए। इस वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव और पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने संयुक्त रूप से किया। आयोजकों के अनुसार, बिहार में अपनी तरह की यह पहली पहल है, जिसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ चंपारण की समृद्ध आम उत्पादन परंपरा को नई पहचान देना है। इस अवसर पर पंचमंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष डॉ. शम्भूनाथ सीकरीया, सचिव सुधीर अग्रवाल, समिति के अन्य सदस्य और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे। सभी ने इस पहल को पर्यावरण संरक्षण और क्षेत्र में हरियाली बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। समिति के अध्यक्ष डॉ. शम्भूनाथ सीकरीया ने कहा कि लगाए गए आम की सभी प्रजातियां भारतीय हैं। इनमें से कई किस्में विदेशों में अलग-अलग नामों से प्रसिद्ध हैं। इन विशिष्ट प्रजातियों को बिहार के लोगों तक पहुंचाना और चंपारण की आम उत्पादन से जुड़ी ऐतिहासिक पहचान को फिर से मजबूत करना इस पहल का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने बताया कि समिति ने भविष्य में कुल तीन हजार वृक्ष लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस अभियान के तहत विशेष किस्मों के फलदार पौधे भी लगाए जाएंगे। वृक्षारोपण अभियान की सराहना करते हुए जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव और पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने कहा कि पौधे लगाना पर्यावरण संरक्षण, हरियाली के विस्तार और बेहतर भविष्य के निर्माण की दिशा में अहम कदम है। उन्होंने स्थानीय लोगों से लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल और सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की, ताकि ये पौधे विकसित होकर आने वाले समय में क्षेत्र की हरियाली और पर्यावरण संतुलन को मजबूत कर सकें। इस अभियान में लगाए गए आम के पौधों की विभिन्न किस्मों का चयन अभय कृष्णा सीकरीया ने किया। विविध प्रजातियों के चयन के साथ यह पहल न केवल पर्यावरण संरक्षण का संदेश देती है, बल्कि आम की विशिष्ट किस्मों को संरक्षित करने और उन्हें व्यापक पहचान दिलाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति का सामूहिक कर्तव्य है। आज लगाया गया एक पौधा आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा, हरियाली और स्वस्थ पर्यावरण का अनमोल उपहार दे सकता है। पंचमंदिर प्रबंध समिति की यह पहल इसी सोच को साकार करने के साथ समाज को प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने की प्रेरणा देती है।

नाबालिग छात्रा से छेड़खानी और घर पहुंचकर हंगामा करने का आरोप, हिरासत में शिक्षक

15 दिन पहले छात्रा को साथ ले जाने का भी आरोप; परिजनों से विवाद के बाद ग्रामीणों ने पकड़ा, शिक्षा व प्रशासनिक अधिकारियों ने थाने पहुंचकर की पूछताछ

बीएनएम@ मोतिहारी/तुरकौलिया

तुरकौलिया थाना क्षेत्र के बभनौलिया गांव में नाबालिग छात्रा से छेड़खानी करने, करीब 15 दिन पहले उसे कथित तौर पर अपने साथ ले जाने और दोबारा उसके घर पहुंचकर परिजनों से विवाद व मारपीट करने के आरोप में ग्रामीणों ने एक शिक्षक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। आरोपित की पहचान पताही थाना क्षेत्र निवासी और बभनौलिया उत्क्रमित मध्य विद्यालय के शिक्षक बलिराम कुमार के रूप में हुई है। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस जांच में जुटी है। जानकारी के अनुसार, शिक्षक पर विद्यालय से पढ़ाई पूरी कर दूसरे स्कूल में जा चुकी छात्रा के साथ छेड़खानी करने का आरोप है। परिजनों का आरोप है कि करीब 15 दिन पहले शिक्षक शादी की नीयत से नाबालिग छात्रा को अपने साथ ले गया था। बाद में खोजबीन कर परिजन छात्रा को वापस घर ले आए। उस समय सामाजिक प्रतिष्ठा का हवाला देते हुए पुलिस में शिकायत नहीं की गई थी। परिजनों के मुताबिक, सोमवार को शिक्षक दोबारा छात्रा के घर पहुंचा। इस दौरान कहासुनी के बाद विवाद बढ़ गया और मारपीट की स्थिति उत्पन्न हो गई। शोर सुनकर जुटे ग्रामीणों ने शिक्षक को पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी। घटना की जानकारी मिलने पर ग्रामीण विद्यालय भी पहुंच गए और हंगामा किया। शिक्षक को हिरासत में लिए जाने के बाद स्थिति शांत हुई। विद्यालय के प्रधानाध्यापक राजेश्वर यादव ने बताया कि कथित घटना विद्यालय परिसर के बाहर की है। घटना की सूचना पर डीपीओ स्थापना ब्रजेश कुमार, एसडीएम अरुण कुमार और डीएसपी दिलीप कुमार थाने पहुंचे। अधिकारियों ने मामले की जानकारी ली और आरोपित शिक्षक से पूछताछ की। डीपीओ स्थापना ने बताया कि छात्रा के परिजनों की ओर से शिकायत मिली है। डीएसपी दिलीप कुमार ने कहा कि मामले में पुलिस नियमानुसार कार्रवाई करेगी। दोषी पाए जाने पर आरोपित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस प्राथमिकी के आधार पर मामले की जांच कर रही है। आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

मनरेगा योजनाओं की धीमी प्रगति पर डीएम सख्त

एक सप्ताह में प्रगति सुधारने और सक्रिय मजदूरों का शत-प्रतिशत ई-केवाईसी कराने का अल्टीमेटम

बीएनएम@ मोतिहारी

शहर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन भवन सभागार में सोमवार को जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव की अध्यक्षता में VB-G RAM G योजना की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में मानव दिवस सृजन, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (PMAY-G) अभिसरण, ई-केवाईसी, वृक्षारोपण तथा मजदूरी के समयबद्ध भुगतान की प्रगति की समीक्षा की गई। इस दौरान कई प्रखंडों में निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप उपलब्धि नहीं मिलने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की और संबंधित प्रखंडों के कार्यक्रम पदाधिकारियों से स्पष्टीकरण पूछने का निर्देश दिया। साथ ही, सभी संबंधित पदाधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर प्रगति में अपेक्षित सुधार लाने की हिदायत दी गई। मानव दिवस सृजन की समीक्षा में सामने आया कि जिले में 39.46 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज की गई है, जबकि राज्य का औसत 41.04 प्रतिशत है। जिले के कई प्रखंडों की उपलब्धि जिला औसत से भी कम पाई गई। इनमें मेहसी में 23.54 प्रतिशत, बंजरिया में 24.21 प्रतिशत, कल्याणपुर में 25.96 प्रतिशत, पकड़ीदयाल में 26.79 प्रतिशत, आदापुर में 27.19 प्रतिशत, घोड़ासहन में 28.16 प्रतिशत तथा बनकटवा में 29.09 प्रतिशत उपलब्धि शामिल है। कम उपलब्धि पर खेद व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी ने उक्त प्रखंडों के कार्यक्रम पदाधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगने का निर्देश दिया। साथ ही, एक सप्ताह के भीतर मानव दिवस सृजन में अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करने को कहा। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (PMAY-G) अभिसरण की समीक्षा के दौरान जिले में कुल 23,950 योजनाओं के विरुद्ध मात्र 1,857 योजनाओं में एमआर निर्गत किए जाने की जानकारी सामने आई। इस प्रकार जिला स्तर पर उपलब्धि महज 7.75 प्रतिशत रही। इस मामले में अरेराज, पीपराकोठी और संग्रामपुर प्रखंडों की उपलब्धि शून्य प्रतिशत पाई गई। वहीं, कोटवा में 0.33 प्रतिशत, चिरैया में 0.80 प्रतिशत, छौड़ादानो में 1.50 प्रतिशत, पताही में 1.97 प्रतिशत तथा तेतरिया में 2.17 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज की गई। इन प्रखंडों में बेहद कम प्रगति पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताते हुए संबंधित कार्यक्रम पदाधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगने का निर्देश दिया। सभी कार्यक्रम पदाधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर PMAY-G अभिसरण के कार्यों में अपेक्षित प्रगति लाने का निर्देश भी दिया गया। ई-केवाईसी की समीक्षा में बताया गया कि जिले में कुल 4,38,425 सक्रिय मजदूरों में से 3,96,582 मजदूरों का ई-केवाईसी पूरा कर लिया गया है। इस प्रकार जिले में 90.49 प्रतिशत उपलब्धि हासिल हुई है, जबकि 41,688 मजदूरों का ई-केवाईसी अब भी लंबित है। प्रखंडवार समीक्षा में बनकटवा में 84.75 प्रतिशत, पकड़ीदयाल में 85.93 प्रतिशत, छौड़ादानो में 87.37 प्रतिशत, घोड़ासहन में 87.82 प्रतिशत तथा रामगढ़वा में 87.83 प्रतिशत उपलब्धि पाई गई। जिलाधिकारी श्री यादव ने कम उपलब्धि वाले इन प्रखंडों के कार्यक्रम पदाधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगने का निर्देश दिया। साथ ही, सभी कार्यक्रम पदाधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर शत-प्रतिशत सक्रिय मजदूरों का ई-केवाईसी सुनिश्चित करने को कहा। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए वृक्षारोपण योजना के तहत जिले में 9,50,400 का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। समीक्षा के दौरान एमआईएस पोर्टल पर 6,111 योजनाओं की प्रविष्टि किए जाने की जानकारी दी गई। इनमें 3,207 योजनाएं चालू बताई गईं। बैठक में इस मद में 67.49 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज होने की जानकारी दी गई। जिलाधिकारी ने सभी कार्यक्रम पदाधिकारियों को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप योजनाओं को एक सप्ताह के भीतर प्रारंभ करने तथा कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। मजदूरी के समयबद्ध भुगतान (Timely Payment) की समीक्षा में जिले की उपलब्धि 80.28 प्रतिशत पाई गई, जबकि राज्य स्तर पर यह आंकड़ा 83.78 प्रतिशत है। कई प्रखंडों में स्थिति संतोषजनक नहीं पाई गई।प्रखंडवार उपलब्धि के अनुसार बनकटवा में 40.92 प्रतिशत, पकड़ीदयाल में 50.80 प्रतिशत, छौड़ादानो में 53.20 प्रतिशत, ढाका में 60.34 प्रतिशत, चकिया में 61.54 प्रतिशत, बंजरिया में 63.32 प्रतिशत, घोड़ासहन में 65.06 प्रतिशत तथा तेतरिया में 68.14 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज की गई। जिलाधिकारी ने सभी कार्यक्रम पदाधिकारियों को समयबद्ध भुगतान के मामले में कम से कम 90 प्रतिशत उपलब्धि हासिल करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित पदाधिकारी गंभीरता से कार्य करें तथा एक सप्ताह के भीतर समीक्षा में सामने आई कमियों को दूर करें।

संक्षिप्त समाचार

डीजे बंद कराने पर ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

बीएनएम@ बगहा। दुर्गापूजा के दौरान डीजे बजाने पर रोक के बीच बगहा के कोल्हुआ गांव में सोमवार को ग्रामीणों ने सड़क जाम कर प्रदर्शन किया। करीब आधे घंटे तक जाम रहने से आवागमन बाधित रहा। जानकारी के अनुसार, गांव में कलश यात्रा के दौरान डीजे बजाया जा रहा था। इसी बीच मौके पर पहुंचे चौकीदार ने डीजे बंद करा दिया, जिससे नाराज रंजन साह, मांझी साह समेत अन्य ग्रामीणों ने विरोध जताते हुए सड़क जाम कर दिया। सूचना मिलने पर चौतरवा थानाध्यक्ष जितेंद्र कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाकर जाम समाप्त कराया। इसके बाद आवागमन सामान्य हो गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि शांति समिति की बैठक में डीजे बजाने पर रोक लगाने का निर्णय लिया गया था, लेकिन इसके बावजूद डीजे बजाया जा रहा था। उन्होंने बताया कि संबंधित लोगों को चिह्नित कर उनके खिलाफ धारा 107 के तहत कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के हस्तक्षेप के बाद स्थिति सामान्य हो गई। प्रशासन ने दुर्गापूजा के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने और निर्देशों का पालन करने पर जोर दिया है।

नरकटियागंज में सड़क-नाली निर्माण की जांच

बीएनएम@ बेतिया/नरकटियागंज। नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या-1 में सड़क और नाली निर्माण की गुणवत्ता को लेकर प्रशासन सख्त हो गया है। जिलाधिकारी के निर्देश पर एसडीएम अभिजीत कुमार गोविंदा ने निर्माण कार्य का निरीक्षण किया और गुणवत्ता की जांच के लिए कार्यपालक पदाधिकारी तथा सहायक अभियंता से रिपोर्ट मांगी है। वर्ष 2025 में निर्माण पूरा होने के बाद भारी वाहनों की आवाजाही से सड़क और नाली क्षतिग्रस्त हो गई थी। इसके बाद स्थानीय लोगों ने निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए अनियमितता के आरोप लगाए थे। मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने जांच के बाद संवेदक के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए थे और सड़क-नाली का दोबारा गुणवत्तापूर्ण निर्माण कराने को कहा था। इसके बाद नगर परिषद प्रशासन की ओर से पुनर्निर्माण कराया गया। इसी कार्य की गुणवत्ता का जायजा लेने एसडीएम मौके पर पहुंचे। कुछ स्थानीय लोगों ने बताया कि निर्माण में सेंटरिंग के लिए लकड़ी का इस्तेमाल किया गया है और सरिया लगाकर काम कराया गया है। हालांकि, निर्माण की वास्तविक गुणवत्ता और निर्धारित मानकों के अनुपालन की स्थिति अधिकारियों की जांच रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगी।

इंस्टाग्राम पर हुई पहचान, गौनाहा से नाबालिग बरामद

बीएनएम@ बेतिया। मुंबई से लापता एक नाबालिग लड़की को महाराष्ट्र पुलिस ने रविवार सुबह गौनाहा थाना क्षेत्र के मसही गांव से बरामद किया। पुलिस ने लड़की को शत्रुघ्न पासवान के घर से बरामद करने के बाद गौनाहा थाना लाया, जहां आगे की कानूनी प्रक्रिया की जा रही है। गौनाहा थानाध्यक्ष शंभू शरण गुप्ता के अनुसार, लड़की 21 अगस्त 2026 को मुंबई से लापता हुई थी। इस संबंध में मुंबई के पवई थाने में कांड संख्या 898/2026 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। जांच के दौरान मिली गोपनीय सूचना के आधार पर महाराष्ट्र पुलिस की टीम रविवार सुबह करीब 7:30 बजे मसही गांव पहुंची और लड़की को बरामद कर लिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इंस्टाग्राम के माध्यम से लड़की की एक नाबालिग लड़के से पहचान हुई थी। बताया जाता है कि इसके बाद लड़की मुंबई से गोरखपुर पहुंची, जहां लड़के के मामा ने उसे रिसीव किया और फिर मसही गांव लाया गया। लड़के और उसके पिता का कहना है कि उन्होंने लड़की को संरक्षण दिया था। हालांकि, पूरे मामले की परिस्थितियां और दोनों पक्षों की भूमिका लड़की के बयान तथा पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट होगी। थानाध्यक्ष ने बताया कि लड़का और लड़की दोनों नाबालिग हैं। फिलहाल महिला पदाधिकारी के समक्ष लड़की का बयान दर्ज कराने की प्रक्रिया की जा रही है। सोमवार को बेतिया न्यायालय में मेडिकल जांच और दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 164 के तहत बयान दर्ज कराने की बात कही गई है। लड़के को महाराष्ट्र पुलिस अपने साथ ले जाएगी या नहीं, यह लड़की के बयान और जांच में सामने आने वाले तथ्यों पर निर्भर करेगा। बरामदगी के लिए पहुंची महाराष्ट्र पुलिस की टीम में पुलिस सब-इंस्पेक्टर देसाई, महिला कांस्टेबल खुले और कांस्टेबल शिंदे शामिल थे। स्थानीय पुलिस के सहयोग से आवश्यक कार्रवाई की गई। मामला दो नाबालिगों से जुड़ा होने के कारण पुलिस जांच के साथ उनकी पहचान और निजता की सुरक्षा भी महत्वपूर्ण है।

83 किलो गांजा बरामद, चालक फरार

बीएनएम@ पश्चिम चंपारण। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए शिकारपुर थाना पुलिस ने पोखरिया गदीयानी के समीप मैजिक पिकअप वाहन से 83 किलो 280 ग्राम गांजा बरामद किया है। हालांकि, कार्रवाई के दौरान वाहन चालक मौके से फरार हो गया। मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि बलथर की ओर से गांजे की खेप लाई जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस ने पोखरिया गदीयानी के पास वाहन को रोककर तलाशी ली, जिसमें गांजा बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस ने गांजे के साथ तस्करी में इस्तेमाल किए जा रहे मैजिक पिकअप वाहन को भी जब्त कर लिया। फरार चालक की गिरफ्तारी के लिए पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। साथ ही, गांजे की खेप कहां से लाई गई थी और इसे कहां पहुंचाया जाना था, इसकी भी जांच की जा रही है।

जलकर संशोधन कानून के विरोध में मत्स्य-जीवी संघ

बीएनएम@ बेतिया। सागर पोखरा परिसर में सोमवार को पश्चिम चंपारण जिला मत्स्य-जीवी संघ ने बिहार जलकर प्रबंधन अधिनियम, 2006 में संशोधित प्रावधानों के विरोध में प्रेस वार्ता की। प्रो. शिवशंकर निषाद की अध्यक्षता में आयोजित वार्ता में संशोधन को मछुआरों के हितों के खिलाफ बताते हुए इसे वापस लेने की मांग की गई। संघ ने आरोप लगाया कि जीविका और स्वयं सहायता समूहों को मत्स्य समूह से जोड़ने से परंपरागत मछुआरों की आजीविका प्रभावित होगी। संघ ने मांग की कि जलकर बंदोबस्ती की व्यवस्था पूर्ववत रखी जाए और सरकारी योजनाओं का लाभ ठेकेदारों के बजाय मछुआरा समितियों को दिया जाए। साथ ही चेतावनी दी गई कि मांगें पूरी नहीं होने पर बिहार के सभी जिलों में विरोध-प्रदर्शन किया जाएगा और पटना में धरना दिया जाएगा।

दुर्गा पूजा को लेकर अलर्ट मोड में 102 एंबुलेंस सेवा, श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए 73 एंबुलेंस तैयार

बीएनएम@ बेतिया

दुर्गा पूजा के दौरान श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ और आवाजाही को देखते हुए पश्चिम चंपारण जिले में संचालित 102 एंबुलेंस सेवा को हाई अलर्ट पर रखा गया है। त्योहार के दौरान किसी भी तरह की मेडिकल इमरजेंसी, सड़क दुर्घटना या अन्य आपात स्थिति में लोगों को तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के लिए एंबुलेंस टीमों को पूरी तरह तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं। राज्य सरकार के सहयोग से जेनप्लस सर्विसेज द्वारा जिले में 102 एंबुलेंस सेवा का निःशुल्क संचालन किया जा रहा है। दुर्गा पूजा के अवसर पर शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में पूजा पंडाल स्थापित किए जाते हैं। प्रमुख बाजारों, धार्मिक स्थलों और पूजा पंडालों के आसपास श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटती है। ऐसे में अचानक तबीयत बिगड़ने, चोट लगने, सड़क दुर्घटना, बेहोशी, सांस लेने में परेशानी सहित अन्य स्वास्थ्य संबंधी आपात स्थितियों की आशंका बनी रहती है। इसे देखते हुए एंबुलेंस सेवा से जुड़ी टीमों को विशेष सतर्कता बरतने और जरूरतमंदों तक समय पर सहायता पहुंचाने के निर्देश दिए गए हैं। पश्चिम चंपारण जिले में कुल 73 एंबुलेंस संचालित की जा रही हैं। इनमें 19 एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस (एएलएसए), 50 बेसिक लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस (बीएलएसए) और चार शव वाहन शामिल हैं। प्रत्येक एंबुलेंस में चालक के साथ प्रशिक्षित इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन (ईएमटी) तैनात रहते हैं, जो आपात स्थिति में मरीजों को प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराने में सक्षम हैं। इन एंबुलेंसों के माध्यम से मेडिकल कॉलेज, सदर अस्पताल,

अनुमंडलीय अस्पताल, रेफरल अस्पताल, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों तक मरीजों को पहुंचाने की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। दुर्गा पूजा के दौरान भी इस व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए विशेष तैयारी की गई है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में मरीजों को अस्पताल पहुंचाने में अनावश्यक देरी न हो। एंबुलेंस सेवा की ऑपरेशन टीम द्वारा वाहनों की उपलब्धता, तैनाती और रिस्पॉन्स टाइम की लगातार निगरानी की जा रही है। जरूरत के अनुसार भीड़भाड़ वाले और संवेदनशील क्षेत्रों में एंबुलेंस की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। वहीं, कॉल सेंटर टीम को भी अलर्ट मोड पर रखा गया है, ताकि आपातकालीन कॉल मिलते ही त्वरित कार्रवाई की जा सके और जरूरतमंदों तक समय पर सहायता पहुंचाई जा सके। आंकड़ों के अनुसार, अगस्त 2026 में पश्चिम चंपारण जिले में 102 एंबुलेंस सेवा के माध्यम से कुल 6,042 मामलों में सहायता उपलब्ध कराई गई। इनमें 4,612 गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित अस्पताल पहुंचाया गया। इसके अलावा 101 नवजात एवं गंभीर मरीजों और 174 सड़क दुर्घटना पीड़ितों को अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं, 1,155 अन्य मरीजों को भी समय पर अस्पताल पहुंचाकर आवश्यक चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने में एंबुलेंस सेवा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।दुर्गा पूजा के दौरान भी सेवा को निर्बाध बनाए रखने और जरूरतमंद मरीजों तक त्वरित सहायता पहुंचाने के लिए पूरी टीम सक्रिय रहेगी। जेनप्लस सर्विसेज, बिहार के प्रोजेक्ट हेड दीपक श्रीवास्तव ने कहा कि त्योहार के दौरान लोगों को सुरक्षित और भरोसेमंद आपातकालीन परिवहन सेवा उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि किसी भी मेडिकल इमरजेंसी की स्थिति में मरीज को बिना देरी के आवश्यक चिकित्सा सुविधा तक पहुंचाने के लिए एंबुलेंस टीमों को तैयार रखा गया है। वहीं, पश्चिम चंपारण के एसीओ नितेश सिंह ने लोगों से अपील की कि किसी भी चिकित्सा आपात स्थिति में घबराएं नहीं और जरूरत पड़ने पर 102 पर कॉल कर निःशुल्क एंबुलेंस सेवा का लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि समय पर सूचना देने से जरूरतमंद मरीजों तक जल्द सहायता पहुंचाने में मदद मिलती है।

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मां दुर्गा की पूजा-अर्चना शुरु

बीएनएम@ पकड़ीदयाल

प्रखंड क्षेत्र में रविवार को शारदीय नवरात्र के शुभारंभ के साथ ही आस्था और श्रद्धा का सैलाब उमड़ पड़ा। पकड़ीदयाल नगर पंचायत सहित विभिन्न पंचायतों और चौक-चौराहों पर श्रद्धालुओं ने भव्य कलश यात्रा निकाली। इस दौरान हजारों श्रद्धालुओं ने विभिन्न तालाबों से जल भरकर कलश यात्रा में भाग लिया और उसे दुर्गा पूजा स्थलों तक पहुंचाया। कलश स्थापना के साथ ही मां दुर्गा की नौ दिवसीय पूजा-अर्चना शुरू हो गई। कलश यात्राओं के कारण पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना रहा। इसी क्रम में पताही प्रखंड के रुपनी पांडेय टोला स्थित माई स्थान पूजा समिति की ओर से भव्य पूजा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। वैदिक

मंत्रोच्चार से पूजा पंडाल गुंजायमान है। परसौनी कपूर निवासी आचार्य श्री भगवान तिवारी के मार्गदर्शन में यजमान कन्हैया कुमार पांडेय विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना और देवी पाठ कर रहे हैं। पूजा महोत्सव को सफल बनाने के लिए समिति के सभी सदस्य लगातार जुटे हुए हैं। आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। पूरे क्षेत्र में मां दुर्गा के जयकारों और भक्तिमय वातावरण से माहौल पूरी तरह आध्यात्मिक बना हुआ है।

वैशाली के 12 बच्चे मुफ्त इलाज के लिए पटना रवाना

बीएनएम@ वैशाली

डीएम वर्षा सिंह के नेतृत्व में जिला स्वास्थ्य समिति द्वारा राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के तहत जन्मजात विकृतियों से पीड़ित बच्चों के इलाज के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 12 बच्चों को चार एंबुलेंस से पटना के मेडीवर्सल मैत्री अस्पताल भेजा गया, जहां उनकी जांच के बाद जरूरत के अनुसार निःशुल्क सर्जरी की जाएगी। अभियान के तहत कटे होंठ, कटे तालू और टंग टाई से पीड़ित बच्चों का उपचार कराया जा रहा है। आरबीएसके की जिला समन्वयक डॉ. शाइस्ता के अनुसार, 2 अक्टूबर से शुरू अभियान में अब तक तीन बच्चों की सफल सर्जरी हो चुकी है। इनमें दो का ऑपरेशन मेडीवर्सल मैत्री अस्पताल में स्माइल ट्रेन के सहयोग से और एक का एनएमसीएच, पटना में

कराया गया। कम वजन वाले बच्चों को ऑपरेशन के लिए तैयार करने के उद्देश्य से पोषण पूरक आहार भी उपलब्ध कराया जा रहा है। सिविल सर्जन और डीपीएम डॉ. कुमार मनोज ने आशा कार्यकर्ताओं को ऐसे बच्चों की पहचान कर आरबीएसके मोबाइल हेल्थ टीम के माध्यम से पंजीकरण कराने का निर्देश दिया है। यह अभियान 14 नवंबर 2026 तक चलेगा। स्वास्थ्य विभाग ने अभिभावकों और स्वास्थ्यकर्मियों से अपील की है कि कोई भी बच्चा जरूरी इलाज से वंचित न रहे।

बढ़ते अपराध पर भाकपा ने उठाए सवाल

बीएनएम@ पश्चिम चंपारण

जिले में बढ़ते अपराध, नाबालिग बच्चियों के साथ दुष्कर्म, अपहरण के बाद हत्या और पुलिस अभिरक्षा में युवक की मौत जैसे मामलों को लेकर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) ने पुलिस प्रशासन पर सवाल उठाए हैं। सोमवार को बेतिया स्थित पार्टी के जिला कार्यालय बलिराम भवन में जिला सचिव ओम प्रकाश क्रांति ने प्रेस वार्ता कर कानून-व्यवस्था पर चिंता जताई। उन्होंने मझौलिया थाना क्षेत्र में एक युवक की कथित पिटाई, तीन वर्षीय बच्ची के अपहरण के बाद हत्या, साठी थाना क्षेत्र में नाबालिग के साथ दुष्कर्म और जीएमसीएच में इलाज कराने आई बच्ची के साथ कथित दुष्कर्म की घटनाओं का उल्लेख करते हुए पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए। उन्होंने बानूछापर थाना क्षेत्र के औरैया वार्ड संख्या-3 निवासी दिलशाद अंसारी की मौत का मामला भी उठाया। उनका आरोप है कि दिलशाद को रात में पुलिस घर से ले गई थी और रास्ते

में उसके साथ कथित मारपीट हुई, जिसके बाद उसकी मौत हो गई। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय करने की मांग की। ओम प्रकाश क्रांति ने कहा कि महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना पुलिस की जिम्मेदारी है तथा जिले में अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने एसपी और डीआईजी से अपराध नियंत्रण, पुलिस की कथित मनमानी पर रोक और गंभीर मामलों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। भाकपा जिला सचिव ने चेतावनी दी कि यदि पुलिस प्रशासन ने कानून-व्यवस्था में सुधार और अपराध नियंत्रण को लेकर गंभीरता नहीं दिखाई, तो पार्टी पुलिस प्रशासन के खिलाफ सड़क पर उतरकर आंदोलन करेगी। उन्होंने कहा कि आम लोगों की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बहाल करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए।

पॉक्सो के दो मामलों में तीन आरोपित धराए

बीएनएम@ हरसिद्धि

समकालीन अभियान के तहत हरसिद्धि थाना पुलिस ने विभिन्न मामलों में कार्रवाई करते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में पॉक्सो एक्ट से जुड़े दो मामलों के तीन आरोपित, शराब मामले का एक आरोपित तथा एक वारंटी शामिल है। पुलिस ने सभी के विरुद्ध आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें न्यायालय भेज दिया। पुलिस के अनुसार, कांड संख्या 396/26 में मठ लोहियार नूनिया टोला निवासी उमेश महतो, पिता प्रह्लाद महतो और उसकी पत्नी रीना देवी को गिरफ्तार किया गया है। वहीं, इसी गांव की मंजू देवी, पति राम अयोध्या महतो को कांड संख्या 395/26 में गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक, दोनों

» शराब कांड का आरोपित व एक वारंटी भी गिरफ्तार

मामलों में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं और पॉक्सो एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। दोनों कांड छह अगस्त 2026 के हैं। इधर, शराब से जुड़े कांड संख्या 268/26 में लौकरिया निवासी टुनटुन माझी, पिता कसु माझी को गिरफ्तार किया गया। यह मामला 17 मई 2026 का है। इस संबंध में बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज है। वहीं, टीआर संख्या 1569/26 के वारंटी हसुआहा निवासी रामनाथ शर्मा, पिता मुखलाल शर्मा को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया। पुलिस ने सभी पांचों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायालय में प्रस्तुत करने के लिए भेज दिया।

केंद्रीय राज्यमंत्री ने बाढ़ पीड़ितों में बांटी राहत सामग्री

बीएनएम@ बगहा

केंद्रीय राज्यमंत्री सतीश चंद्र दुबे ने बाढ़ प्रभावित परिवारों के बीच राहत सामग्री का वितरण किया। बाढ़ राहत अभियान के दूसरे चरण के तहत उन्होंने बेतिया में कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) द्वारा उपलब्ध कराई गई राहत सामग्री से लदी 35 गाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर प्रभावित क्षेत्रों के लिए रवाना किया। इसके बाद योगापट्टी, बगहा-1 प्रखंड के पतिलार, गंडक पार के विभिन्न प्रखंडों, बगहा नगर परिषद के वार्ड संख्या एक और दो तथा वाल्मीकिनगर के चकदहवा में बाढ़ पीड़ितों के बीच राहत सामग्री वितरित की गई। केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि इस कठिन समय में प्रभावित परिवारों तक आवश्यक सहायता पहुंचाना सामूहिक जिम्मेदारी है। उनका प्रयास है कि प्रत्येक जरूरतमंद परिवार तक राहत पहुंचे और चंपारण का कोई भी परिवार खुद को अकेला महसूस न करे। उन्होंने कहा कि जब तक लोगों के जीवन में सामान्य स्थिति नहीं लौटती, तब तक हरसंभव सहायता के प्रयास जारी रहेंगे। उन्होंने राहत सामग्री उपलब्ध कराने के लिए कोल इंडिया लिमिटेड का आभार जताया। इस अवसर पर लौरिया विधायक विनय बिहारी, बगहा विधायक राम सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष अचिंत कुमार, केंद्रीय राज्यमंत्री के मीडिया प्रतिनिधि सोमेश पाण्डेय सहित एनडीए के कई स्थानीय कार्यकर्ता और सहयोगी उपस्थित रहे।

विवाहिता की संदिग्ध मौत पर प्राथमिकी दर्ज, आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की छापेमारी तेज

बीएनएम@ तुरकौलिया

रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर- 27 में विवाहिता शिखा कुमारी की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच तेज कर दी है। मृतका के भाई सत्यकाम ने ससुराल पक्ष के लोगों पर अपनी बहन को मानसिक एवं शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने और मारपीट करने का आरोप लगाया है। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। प्राथमिकी के अनुसार, शिखा कुमारी की शादी 25 फरवरी 2020 को रघुनाथपुर निवासी निशांत कुमार के साथ हुई थी। मृतका के भाई का आरोप है कि शादी के बाद से ही उसकी बहन को ससुराल में प्रताड़ित किया जाता था। उसने पुलिस से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। बताया जाता है कि बीते नौ अक्टूबर को शिखा कुमारी की तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे मोतिहारी स्थित एक निजी अस्पताल में ले गए थे। वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया था। अब मृतका के भाई की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर पुलिस मामले के विभिन्न पहलुओं की जांच कर रही है। रघुनाथपुर थानाध्यक्ष धनंजय कुमार ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। विवाहिता की संदिग्ध मौत ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। अब पुलिस जांच से ही घटना की वास्तविक परिस्थितियों और लगाए गए आरोपों की सच्चाई सामने आ सकेगी।

» ससुराल पक्ष पर मानसिक व शारीरिक प्रताड़ना और मारपीट का आरोप, नौ अक्टूबर को निजी अस्पताल में इलाज के दौरान हुई थी शिखा कुमारी की मौत

भारत क़ी 7.1 प्रतिशत की विकास दर से दुनियाँ चौंकी, लोकतंत्र की सड़कों पर सियासी संग्राम!

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

- 140+ सांसदों का मार्च चुनाव आयोग से सुप्रीम कोर्ट तक 6 अक्टूबर का भारत क्यों बना वैश्विक चर्चा का केंद्र? -समग्र व्यापक विश्लेषण

दुनियाँ युद्ध के मुहाने पर, भारत विकास की उड़ान पर! 7.1प्रतिशत की आर्थिक छलांग, चुनाव आयोग पर सियासी संग्राम और सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला!

भारत का शक्ति-परीक्षण! -अर्थव्यवस्था ने जीता दुनियाँ का भरोसा, चुनाव आयोग पर विपक्ष का प्रहार और सुप्रीम कोर्ट ने बताई संविधान की असली राह! नए भारत की असली लोकतांत्रिक खूबसूरती

वैश्विक स्तरपर 21 वीं सदी के वैश्विक परिदृश्य में 6 अक्टूबर 2026 का दिन भारत के लिए केवल आर्थिक उपलब्धि या घरेलू राजनीतिक टकराव का दिन नहीं रहा, बल्कि यह दिन दुनियाँ के सबसे बड़े लोकतंत्र की संस्थागत शक्ति, संवैधानिक परिपक्वता और न्यायिक संयम,तीनों को एक साथ परखने वाला दिन बन गया। एकओर पश्चिम एशिया सहित दुनियाँ के अनेक हिस्सों में युद्ध, भू-राजनीतिक तनाव,ऊर्जा असुरक्षा औरआर्थिक अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे हैं,वहीं भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर विश्व बैंक ने अपने ताजा आकलन में वित्त वर्ष 2026- 27 के लिए विकास दर का अनुमान 6.6 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत कर दिया है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगा कि विश्व बैंक की अक्टूबर 2026 की साउथ एशिया इकोनॉमिक अपडेट इसी दिन प्रकाशित हुई। दूसरी ओर,उसी दिन राजधानी दिल्ली में लगभग 140विपक्षी सांसदों और आईएनडीआईए गठबंधन के नेताओं ने संसद से निर्वाचन आयोग की ओर मार्च कर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानेंएसआईआऱ को वापस लेने की मांग की।और इसी दिन सर्वोच्च न्यायालय ने स्कूलों की प्रार्थना सभा में संविधान की प्रस्तावना का दैनिक पाठ अनिवार्य करने की मांग वाली जनहित याचिका को खारिज कर न्यायिक संयम और नीति-निर्माण की सीमाओं पर एक महत्वपूर्ण संदेश दिया।इस प्रकार 6 अक्टूबर का भारत एक ऐसी तस्वीर प्रस्तुत करता है, जिसमें आर्थिक मजबूती के साथ राजनीतिक संघर्ष,लोकतांत्रिक संस्थाओं पर बहस और संवैधानिक मूल्यों की न्यायिक व्याख्या एक ही राष्ट्रीय परिदृश्य में दिखाई देती है। साथियों, भारत की आर्थिक कहानी आज वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए विशेष महत्व रखती है। जब अनेक विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाएं युद्ध, ऊर्जा संकट, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान,महंगाई और भू- राजनीतिक तनाव से जूझ रही हैं,तब विश्व बैंक द्वारा भारत की विकास दर का अनुमान 7.1 प्रतिशत करना केवल एक आंकड़ा नहीं है, बल्कि वैश्विक निवेशकों और आर्थिक संस्थानों के लिए भारत की अंतर्निहित क्षमता पर भरोसे का संकेत है। अप्रैल 2026 में विश्व बैंक ने एफवाय 2026-27 के लिए 6.6 प्रतिशत का अनुमान लगाया था; अक्टूबर में इसे बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत किया गया। मजबूत घरेलू मांग, उद्योग और सेवा क्षेत्र की गति तथा आर्थिक सुधारों की निरंतरता भारत की विकास कहानी के महत्वपूर्ण आधार बने हुए हैं। हालांकि कृषि और मानसून से जुड़े जोखिमों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इसलिए 7.1 प्रतिशत का अनुमान भारत की आर्थिक मजबूती का प्रमाण जरूर है, लेकिन यह भी याद दिलाता है कि वैश्विक ऊर्जा कीमतों, खाद्य महंगाई और भू-राजनीतिक संकटों से सुरक्षा के लिए आर्थिक नीतियों को लगातार गतिशील बनाए रखना होगा।

साथियों इसी आर्थिक उपलब्धि के समानांतर भारत के लोकतांत्रिक संस्थागत ढांचे को लेकर एक गंभीर राजनीतिक बहस भी सामने आई। 6 अक्टूबर को आईएनडीआईए गठबंधन के नेताओं और सांसदों ने संसद भवन से निर्वाचन आयोग की ओर मार्च किया। विपक्ष की प्रमुख मांग मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे और एसआईआर प्रक्रिया को वापस लेने की रही।

रिपोर्टों के अनुसार लगभग 140 विपक्षी सांसद इस विरोध में शामिल हुए।राहुल गांधी,प्रियंका गांधी वाड्रा, मल्लिकार्जुन खड़गे और अखिलेश यादव सहित कई प्रमुख विपक्षी नेताओं की मौजूदगी ने इस प्रदर्शन को राष्ट्रीय राजनीतिक विमर्श का केंद्र बना दिया। पुलिस ने मार्च को निर्वाचन आयोग के कार्यालय तक पहुंचने से पहले रोक दिया और कई नेताओं को हिरासत में लिया गया।विपक्ष एसआईआर के माध्यम से मतदाता सूचियों में कथित अनियमितताओं और मतदाताओं के नाम हटाए जाने को लेकर सवाल उठा रहा है, जबकि निर्वाचन आयोग और सत्तापक्ष इन आरोपों को खारिज करते हुए प्रक्रिया को मतदाता सूची को शुद्ध और अद्यतन करने की कवायद के रूप में प्रस्तुत करते हैं। ऐसे में लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति इसी बात में निहित है कि संस्थाओं पर उठने वाले सवालों का समाधान आरोप-प्रत्यारोप से नहीं, बल्कि पारदर्शिता, दस्तावेजी प्रमाण, संवैधानिक प्रक्रिया और जनता के विश्वास से सटीक से माध्यम से हो। साथियों यह घटनाक्रम इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि निर्वाचन आयोग भारत के लोकतांत्रिक ढांचे का एक केंद्रीय संवैधानिक संस्थान है।चुनाव केवल सरकार चुनने की प्रक्रिया नहीं होते, बल्कि वे नागरिकों के सार्वभौमिक मताधिकार और सत्ता के शांतिपूर्ण हस्तांतरण की आधारशिला होते हैं इसलिए यदि राजनीतिक दल निर्वाचन प्रक्रिया कीनिष्पक्षता पर प्रश्न उठाते हैं, तो लोकतंत्र की विश्वसनीयता के लिए संस्थागत पारदर्शिता और तथ्यात्मक स्पष्टीकरण दोनों आवश्यक हो जाते हैं। दूसरी ओर, राजनीतिक विरोध और संस्थागत आलोचना लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा है,लेकिन किसी संवैधानिक संस्था की विश्वसनीयता का अंतिम मूल्यांकन स्थापित कानूनी प्रक्रियाओं, प्रमाणों और संवैधानिक प्रावधानों के आधार पर होना चाहिए। यही वह संतुलन है जो भारत के लोकतंत्र को वैश्विक लोकतांत्रिक व्यवस्था में विशिष्ट बनाता है। साथियों, इसी व्यापक लोकतांत्रिक विमर्श के बीच 6 अक्टूबर को सर्वोच्चन्यायालय का स्कूलों में संविधान की प्रस्तावना के अनिवार्य पाठ से जुड़ा फैसला विशेष महत्व रखता है।माननीय तीन सदस्यीय पीठ ने दिल्ली विश्वविद्यालय के राजधानी कॉलेज के सहायक प्रोफेसर द्वारा दायर जनहित याचिका को स्वीकार करने से इनकार कर दिया।

(-लेखक क्र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए (एटीसी) हैं)

खुली सीमा बनी ड्रग्स तस्करी का रास्ता

कांतिलाल मांडोत

मिजोरम में म्यांमार से लगी लंबी खुली सीमा के कारण मादक पदार्थों की तस्करी एक गंभीर चुनौती बनती जा रही है। सीमा से लगे जंगलों और दुर्गम इलाकों का फायदा उठाकर तस्कर हेरोइन और मेथाम्फेटामाइन जैसे मादक पदार्थ भारत में पहुंचाने की कोशिश करते हैं। उपलब्ध जांच और जब्ती के आंकड़े इस समस्या की गंभीरता को सामने रखते हैं। बीते आठ महीनों में 846 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की ड्रग्स जब्त किए जाने और 930 लोगों की गिरफ्तारी से स्पष्ट है कि यह कारोबार किसी छोटे गिरोह तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे संगठित नेटवर्क सक्रिय हैं।

म्यांमार से आने वाले मादक पदार्थों के लिए मिजोरम का भौगोलिक क्षेत्र महत्वपूर्ण मार्ग बन गया है। लगभग 510 किलोमीटर लंबी सीमा का बड़ा हिस्सा कठिन भौगोलिक परिस्थितियों वाला है। पहाड़ी इलाकों, जंगलों और सीमावर्ती गांवों के बीच तस्कर ऐसे रास्तों का इस्तेमाल करते हैं, जहां लगातार निगरानी करना सुरक्षा एजेंसियों के लिए चुनौतीपूर्ण होता है। यही कारण है कि सीमा सुरक्षा के साथ-साथ सीमा से जुड़े गांवों और अंदरूनी इलाकों में भी निगरानी व्यवस्था मजबूत करना जरूरी है।

जांच में सामने आई तस्वीर का दूसरा पहलू भी चिंताजनक है। तस्करी की यह व्यवस्था केवल म्यांमार से भारत में ड्रग्स लाने तक सीमित नहीं बताई जा रही है। भारत से कुछ रासायनिक पदार्थ म्यांमार तक पहुंचाए जाने और वहां अवैध प्रयोगशालाओं में उनका इस्तेमाल कर मादक पदार्थ तैयार किए जाने के आरोप भी जांच में सामने आए हैं। इसके बाद तैयार नशीले पदार्थों को फिर भारत में लाने की कोशिश की जाती है। इस तरह कच्चे माल और तैयार नशीले पदार्थों की आवाजाही वाली दोतरफा आपूर्ति श्रृंखला तैयार हो जाती है।

इस पूरे नेटवर्क को आर्थिक रूप से चलाने के लिए हवाला, म्यूल खातों और सामने से सामान्य दिखाई देने वाली कंपनियों का इस्तेमाल किए जाने की बात भी जांच एजेंसियों के सामने आई है। अलग-अलग लोगों के नाम पर बैंक खाते खोलकर उनमें रकम जमा की जाती और फिर तेजी से दूसरे खातों में स्थानांतरित कर दी जाती है। इससे धन के वास्तविक स्रोत और अंतिम लाभार्थी तक पहुंचना कठिन हो जाता है। कुछ मामलों में बड़ी रकम के लेन-देन के संकेत मिलने से यह भी पता चलता है कि मादक पदार्थों का कारोबार केवल सड़क स्तर के तस्करों तक सीमित नहीं है। म्यांमार के एक आरोपी से जुड़े बैंक खातों में करोड़ों रुपए की संदिग्ध राशि और उसके बाद जांच एजेंसी की कार्रवाई इस आर्थिक नेटवर्क की गंभीरता को दर्शाती है। संपत्ति और बैंक खातों की कुर्की जैसी कार्रवाई का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि मादक पदार्थों के कारोबार पर केवल जब्ती और गिरफ्तारी से पूरी तरह रोक लगाना कठिन है। जब तक इस कारोबार को आर्थिक रूप से कमजोर नहीं किया जाएगा, तब तक नए लोग और नए माध्यम इस अवैध धंधे में शामिल होते रहेंगे। सबसे गंभीर चिंता इसका युवाओं पर पड़ने वाला प्रभाव है। नशीले पदार्थों की उपलब्धता बढ़ने से केवल कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा नहीं होती, बल्कि परिवार, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक वातावरण भी प्रभावित होते हैं।

नशे की गिरफ्त में आने वाला युवा अपनी पढ़ाई और काम से दूर हो सकता है तथा उसका भविष्य प्रभावित होता है। इसलिए ड्रग्स के खिलाफ अभियान को केवल सीमा सुरक्षा या पुलिस की कार्रवाई तक सीमित रखने के बजाय सामाजिक जागरूकता और युवाओं की भागीदारी से जोड़ना आवश्यक है। यह सवाल भी महत्वपूर्ण है कि जब सीमा पर सुरक्षा बल और अन्य एजेंसियां लगातार निगरानी करती हैं, तब इतनी बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ सीमा पार करके देश के भीतर कैसे पहुंच जाते हैं। इसका उत्तर केवल सीमा पर तैनात जवानों की संख्या बढ़ाने में नहीं है। तकनीकी निगरानी, संदिग्ध मार्गों की पहचान, खुफिया सूचनाओं का समय पर आदान-प्रदान और विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय भी उतना ही जरूरी है। सीमा की संवेदनशीलता को देखते हुए निगरानी व्यवस्था में किसी भी स्तर की लापरवाही तस्करों के लिए अवसर बन सकती है। सीमा सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने वाले जवानों और अधिकारियों से पूरी सतर्कता, निष्पक्षता और जवाबदेही की अपेक्षा स्वाभाविक है। साथ ही सीमावर्ती क्षेत्रों के स्थानीय लोगों को भी इस लड़ाई का भागीदार बनाया जाना चाहिए। ग्रामीणों को तस्करी के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना देने के सुरक्षित माध्यम उपलब्ध कराने से सुरक्षा व्यवस्था मजबूत हो सकती है। ड्रग्स तस्करी का नेटवर्क जितना संगठित है, उसका मुकाबला भी उतनी ही व्यापक रणनीति से करना होगा।

किसान की जमीन पर कैसा विकास ?

कुमार कृष्णन

शहर फैलता है तो सबसे पहले उसकी सीमा नहीं बदलती, किसी किसान की जमीन बदलती है। खेत की मेड़ पर खड़ा किसान अचानक यह सुनता है कि उसकी जमीन अब खेती की जमीन नहीं रही, विकास की जमीन हो गई है। सवाल यही है कि विकास की इस नई परिभाषा में किसान कहां खड़ा है?

बिहार में प्रस्तावित सैटेलाइट टाउनशिप परियोजनाओं को लेकर यही मूल सवाल उठ रहा है। पटना, दरभंगा, छपरा, सोनपुर, भागलपुर, मुजफ्फरपुर, गया, पूर्णिया, सीतामढ़ी, मुंगेर और सहरसा जैसे शहरों के आसपास नए शहरी विस्तार की योजनाओं की चर्चा है। सरकार के लिए यह भविष्य के बिहार की शहरी जरूरतों को पूरा करने की कोशिश हो सकती है। लेकिन किसान के लिए सवाल कुछ और है—जिस जमीन पर उसका वर्तमान टिका है, क्या उसी जमीन पर उसका भविष्य भी सुरक्षित रहेगा?

किसान विकास का विरोधी नहीं है। वह सड़क चाहता है, अस्पताल चाहता है, स्कूल चाहता है, रोजगार चाहता है और अपने बच्चों के लिए बेहतर जीवन चाहता है। लेकिन वह यह भी चाहता है कि विकास की कीमत उसकी जमीन और आजीविका से ही क्यों वसूली जाए। विकास यदि किसान को उसके खेत से निकालकर केवल मुआवजे का एक चेक थमा देता है, तो यह पूछना स्वाभाविक है कि उसके बाद किसान रहेगा क्या?

भारतीय किसान नेता राकेश टिकैत लंबे समय से भूमि, कृषि और किसान की हिस्सेदारी के सवाल को आंदोलन के केंद्र में रखते रहे हैं। बिहार में सैटेलाइट टाउनशिप और भूमि से जुड़े प्रस्तावों पर उठ रही आपत्तियों को इसी बड़े प्रश्न की पृष्ठभूमि में देखना चाहिए। बिहार के सांसद सुधाकर सिंह और किसान नेता दिनेश सिंह जैसे लोगों की मौजूदगी भी बताती है कि मामला केवल जमीन की कीमत का नहीं, बल्कि खेती, गांव और किसान की भविष्य की सुरक्षा का है।

असल बहस यह नहीं है कि बिहार में शहर बनें या नहीं। असली बहस यह है कि शहर किसके लिए और किसकी कीमत पर बनेंगे? भूमि केवल एक संपत्ति नहीं होती। किसान के लिए वह बैंक खाता भी है, रोजगार भी, घर की सुरक्षा भी और अगली पीढ़ी की संभावना भी। एक बीघा खेत से होने वाली आय शायद किसी जमीन की बाजार कीमत से कम दिखाई दे, लेकिन वही जमीन किसान को वर्षों तक जीवन देती है। जमीन बेचने से एकमुश्त पैसा मिल सकता है, खेती से नियमित आय मिलती है। इस फर्क को विकास की किसी भी योजना में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यही वजह है कि प्रस्तावित भूमि पूलिंग व्यवस्था को लेकर सवाल गंभीर हैं। यदि किसान अपनी जमीन विकास के लिए देता है और बदले में विकसित क्षेत्र में कुछ हिस्सा वापस पाता है, तो सवाल उठेगा कि उस लौटाई गई जमीन की वास्तविक कीमत क्या होगी? वह जमीन कहां होगी? उसकी गुणवत्ता क्या होगी? किसान को विकसित भूमि के भविष्य के मूल्य में कितना हिस्सा मिलेगा? क्या उसके अधिकार कानूनी रूप से सुरक्षित होंगे? किसान को केवल यह कह देना पर्याप्त नहीं कि जमीन का कुछ हिस्सा वापस मिलेगा। उसे यह भी मालूम होना चाहिए कि क्या मिलेगा, कब मिलेगा, कहां मिलेगा और उसकी कीमत कैसे तय होगी। यहीं से पारदर्शिता का सवाल पैदा होता है। सर्किल रेट और वास्तविक बाजार मूल्य में अंतर किसी से छिपा नहीं है। यदि भूमि का मूल्यांकन केवल सरकारी दरों पर होगा, तो किसान को वास्तविक आर्थिक मूल्य का कितना हिस्सा मिलेगा? और यदि आज जिस जमीन की कीमत कम है, वही जमीन कुछ वर्षों बाद करोड़ों की व्यावसायिक संपत्ति बन जाती है, तो उस मूल्यवृद्धि में किसान की कोई हिस्सेदारी होगी या नहीं? यह सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि जमीन का इस्तेमाल बदलते ही उसका मूल्य बदल जाता है। कृषि भूमि जब आवासीय, व्यावसायिक या संस्थागत भूमि में बदलती है तो उसकी कीमत कई गुना बढ़ सकती है। यदि इस परिवर्तन का लाभ केवल डेवलपर, प्राधिकरण या निवेशक को मिलता है और मूल जमीन मालिक को केवल प्रारंभिक मुआवजा मिलता है, तो किसान विकास का साझेदार नहीं, विकास के लिए संसाधन उपलब्ध कराने वाला व्यक्ति बनकर रह जाता है। और लोकतंत्र में इससे बड़ा सवाल क्या हो सकता है कि जिस व्यक्ति की जमीन पर योजना खड़ी हो रही है, उसकी आवाज योजना बनाते समय कितनी सुनी गई? भूमि अधिग्रहण के मामलों में सामाजिक प्रभाव आकलन का विचार इसी वजह से महत्वपूर्ण रहा है। जमीन जाने का असर केवल जमीन मालिक पर नहीं पड़ता। खेतिहर मजदूर प्रभावित होता है। बटाईदार प्रभावित होता है। सिंचाई का स्रोत प्रभावित होता है। गांव की दुकान, हाट, पशुपालन, स्थानीय परिवहन और छोटे रोजगार प्रभावित होते हैं। एक खेत के खत्म होने का अर्थ कभी-कभी एक पूरे ग्रामीण आर्थिक तंत्र के कमजोर होने से होता है। इसलिए किसी भी सैटेलाइट टाउनशिप का मूल्यांकन केवल इस आधार पर नहीं होना चाहिए कि कितने किलोमीटर सड़क बनेगी, कितने प्लॉट विकसित होंगे और कितनी इमारतें खड़ी होंगी। यह भी पूछा जाना चाहिए कि कितने किसान विस्थापित होंगे, कितने खेत खत्म होंगे, कितने खेतिहर मजदूर रोजगार खोएंगे और कितने परिवारों की आजीविका बदलेगी? पुनर्वास का अर्थ भी समझना होगा। किसान को पैसा देकर यह मान लेना कि उसका पुनर्वास हो गया, पुनर्वास की अवधारणा को बहुत छोटा कर देना है। खेत खोने वाले परिवार को आवास मिल जाए, लेकिन रोजगार न मिले तो समस्या बनी रहती है। घर मिल जाए, लेकिन बाजार और स्कूल दूर हो जाएं तो जीवन कठिन हो जाता है। जमीन चली जाए और अगली पीढ़ी के लिए कोई आजीविका न बचे तो मुआवजा धीरे-धीरे समाप्त हो सकता है, लेकिन विस्थापन स्थायी रहता है। कोविड के समय देश ने इसका एक दूसरा चेहरा देखा था। जब शहरों में रोजगार बंद हुआ तो लाखों प्रवासी गांव लौटे। तब गांव और खेती ने उन्हें सहारा दिया। उस संकट ने याद दिलाया कि कृषि भूमि केवल उत्पादन का साधन नहीं, संकट के समय सामाजिक सुरक्षा का आधार भी है। फिर सवाल यह है कि हम तेजी से फैलते शहरों के लिए गांवों की जमीन लेते समय उस सुरक्षा को कैसे बचाएंगे?

बिहार में शहरीकरण जरूरी है। लेकिन क्या शहरीकरण का मतलब गांवों को निगल जाना है? क्या हर शहर की सीमा बढ़ाने का सबसे आसान रास्ता उसके आसपास की उपजाऊ कृषि भूमि को बदल देना है? क्या स्मार्ट शहरों की कल्पना के साथ स्मार्ट गांवों की कल्पना नहीं हो सकती? यदि सरकार सचमुच भविष्य का बिहार बनाना चाहती है तो उसे किसानों को योजना का विरोधी नहीं, भागीदार बनाना होगा। किसान से पूछा जाना चाहिए कि वह किस रूप में भागीदारी चाहता है। जमीन के बदले जमीन, विकसित भूमि में हिस्सेदारी, दीर्घकालिक आय, परिवार के एक सदस्य के लिए रोजगार, कौशल प्रशिक्षण, स्थानीय व्यापार के अवसर या मूल्यवृद्धि में हिस्सा—इन सभी विकल्पों पर सार्वजनिक विमर्श होना चाहिए।

भूमि पूलिंग का मॉडल तभी न्यायपूर्ण माना जाएगा जब किसान को यह भरोसा हो कि उसकी जमीन का भविष्य उसके हाथ से पूरी तरह नहीं निकलेगा। इसके साथ पर्यावरण का सवाल भी जुड़ा है। बिहार की जमीन केवल प्लॉट नहीं है। वह जलसंचय करती है, भूजल को रिचार्ज करती है, बाढ़ के पानी को जगह देती है और स्थानीय पारिस्थितिकी को बनाए रखती है। यदि बड़े पैमाने पर कृषि भूमि को कंक्रीट में बदल दिया गया तो इसका असर केवल खेत तक सीमित नहीं रहेगा। जलभराव, भूजल, गर्मी, बाढ़ और जलनिकासी की समस्या भी बढ़ सकती है। इसलिए सैटेलाइट टाउनशिप की मास्टर प्लानिंग में किसान के साथ नदी, तालाब, आहर-पईन, जलनिकाय और कृषि भूमि की भूमिका को भी केंद्र में रखना होगा। एक और महत्वपूर्ण सवाल शासन-व्यवस्था का है। जिस संस्था के हाथ में इतनी बड़ी मात्रा में जमीन, नियोजन और विकास से जुड़े फैसले होंगे, उसमें जनप्रतिनिधियों, स्वतंत्र विशेषज्ञों और स्थानीय समुदाय की भागीदारी कितनी होगी? निर्णय प्रक्रिया कितनी पारदर्शी होगी? कौन जवाबदेह होगा? किसान अपनी आपत्ति किस मंच पर रख सकेगा? क्या ग्रामसभा और स्थानीय निकायों की आवाज निर्णायक होगी या केवल औपचारिक? विकास में सबसे खतरनाक चीज केवल भ्रष्टाचार नहीं होती; अलोकतांत्रिक विकास भी उतना ही खतरनाक हो सकता है। क्योंकि भ्रष्टाचार की पहचान कभी-कभी हो जाती है, लेकिन ऐसी विकास-व्यवस्था जिसमें जनता की आवाज ही कमजोर कर दी जाए, वह धीरे-धीरे सामान्य लगने लगती है। राकेश टिकैत का किसान आंदोलन हमें यह याद दिलाता है कि किसान की जमीन को केवल आर्थिक वस्तु मानकर उसकी राजनीति नहीं समझी जा सकती। सुधाकर सिंह जैसे जनप्रतिनिधियों की बहस और दिनेश सिंह जैसे किसान नेताओं की आपत्तियां भी इसी व्यापक चिंता को सामने लाती हैं कि विकास की मेज पर किसान की कुर्सी कहां है। बिहार को नए शहर चाहिए, लेकिन उससे पहले उसे यह तय करना होगा कि उसके पुराने गांवों का भविष्य क्या होगा। सरकार को चाहिए कि प्रस्तावित सैटेलाइट टाउनशिप की पूरी जानकारी सार्वजनिक करे—कितनी जमीन ली जाएगी, कितनी कृषि भूमि प्रभावित होगी, भूमि उपयोग क्या होगा, किसानों को क्या मिलेगा, मूल्यांकन कैसे होगा और पुनर्वास की व्यवस्था क्या होगी। हर परियोजना पर सामाजिक प्रभाव का स्वतंत्र आकलन हो और उसकी रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए। भूमि मालिकों के साथ-साथ खेतिहर मजदूरों, बटाईदारों और अन्य प्रभावित परिवारों के अधिकारों को भी स्पष्ट कानूनी संरक्षण मिले। किसान के सामने आज सबसे बड़ा सवाल जमीन देने या न देने का नहीं है। सवाल यह है कि जमीन देने के बाद उसका भविष्य किसके हाथ में होगा? यदि किसान अपनी जमीन देकर शहर बनाता है और उसी शहर में उसके बच्चों के लिए कोई जगह नहीं बचती, तो वह विकास किसका है? यदि खेत की जगह कॉलोनी आती है लेकिन किसान की आय, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा खत्म हो जाती है, तो उसे विकास कहने से पहले लोकतंत्र को ठहरकर सोचना चाहिए। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

मेष राशि: आपका दिन सुखद रहेगा। कार्यक्षेत्र में आप मनचाहा लाभ प्राप्त करेंगे। आपके लिए स्थान परिवर्तन के योग हैं। आपका वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा। आपको आपके माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्यों का पूरा साथ मिलेगा। आज आपके ऊपर परिवार की कुछ जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी, जिन्हें आप पूरा करेंगे। शुभ अंक: 9

वृष राशि: आज आपका दिन उत्तम रहेगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। आपका पारिवारिक वातावरण शांतिपूर्ण रहेगा। परंतु किन्ही कारणों से थोड़ी समस्या हो सकती है। सार्वजनिक क्षेत्र में आपकी छवि के अनुसार आपको परिणाम मिलेंगे। अगर आप कोई बिजनेस करते हैं, तो आपको उसे बढ़ाने के लिए थोड़ी और मेहनत करने की जरूरत है। शुभ अंक: 5

मिथुन राशि: आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। समाज में आपकी मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आप अपने कारोबार में किसी नए कार्य की शुरुआत कर सकते हैं। जिसमें आप समय-समय पर नया बदलाव करेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। आज बोलने से ज्यादा आपको काम पर ध्यान देना चाहिए। शुभ अंक: 9

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आप अपने बिजी दिन में से कुछ समय अपने बच्चों के लिए निकालेंगे, जिसमें उनके साथ खूब मौज-मस्ती करते हुए नजर आएंगे, इससे आपको तरोताजा महसूस होगा। आज आप माता-पिता से अपने मन की बातों को साझा करेंगे। आपका धन कहां खर्च हो रहा है, इस पर आपको नजर बनाए रखने की जरूरत है। शुभ अंक: 3

सिंह राशि: आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आप अपने आप को काफी तरोताजा महसूस करेंगे, जिससे आप अपने सभी कार्यों को समय पर पूरा करने में सफल होंगे। आज मित्रों की सहायता से आपको आय के अवसर मिलेंगे, जिनसे आप लाभ कमा कर आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाएंगे। आज का दिन आनंद से भरा रहेगा, आप जिंदगी को पूरी तरह जिएंगे। शुभ अंक: 9

कन्या राशि: आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। परिवार का सहयोग मिलेगा और यह सीखेंगे कि धन को कैसे बचा कर रखा जाता है, जिससे भविष्य में कोई परेशानी न हो। जिंदगी में चल रही भागदौड़ के बीच आज आपको अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा और आप अपने मनपसंद कामों को कर पाने में कामयाब होंगे। शुभ अंक: 8

तुला राशि: आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज उच्च वर्ग के लोगों से आपका संपर्क जुड़ेगा। अपने लक्ष्य के लिए डेडीकेशन होने के बाद भी बार-बार प्रयत्न क्यों रुक जाते हैं, आप इस बात का अवलोकन करेंगे। अपनी इच्छा शक्ति के साथ अपनी भावनाओं में भी सुधार लाने की जरूरत है। इस राशि के छात्रों को प्रतियोगी क्षेत्र में सफलता मिलने के योग बन रहे हैं। शुभ अंक: 6

वृश्चिक राशि: आज आपका दिन अनुकूल रहने वाला है। आज आप कोई नया कारोबार शुरू करने का मन बना सकते हैं। साथ ही बड़ों की सलाह लेना उचित रहेगा। आज किसी विषय में ज्यादा न सोचें, वरना आपको उलझन होगी और सेहत पर असर पड़ सकता है। आज आपके दोस्त आपसे मुलाकात करने घर आ सकते हैं। आपके भाई लोग जाने-अनजाने आपसे हुई गलतियों को समझेंगे। शुभ अंक: 9

धनु राशि: आज आपका दिन महत्वपूर्ण कार्यों में व्यस्त रहेगा। आज किसी रिश्तेदार को दिए रुपए आपको वापस मिलेंगे। सोचे हुए कार्यों में उनका इस्तेमाल करेंगे। मीडिया क्षेत्र से जुड़े लोगों को आज अच्छा लाभ मिलेगा। प्राइवेट जॉब के लोगों को आज प्रमोशन से जुड़ी अच्छी खबर मिल सकती है। वैवाहिक जीवन में आपसी लगाव बढ़ेगा। शुभ अंक: 4

मकर राशि: आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। प्रतियोगी परीक्षा के छात्र अपनी तैयारी जम कर करें, जल्द अच्छे अंक हासिल होंगे। ऑफिस में फोन का उपयोग कम करें, अन्यथा आपकी छवि खराब हो सकती है। इस राशि के हृदय रोग से परेशान लोग अच्छे डॉक्टर से संपर्क करेंगे। बेवजह की भागदौड़ से आपको थकावट महसूस होगी। शुभ अंक: 5

कुंभ राशि: आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। नौकरी में आज आपको सुखद परिवर्तन नजर आएंगे। तैयारी कर रहे छात्रों को अच्छे अंक मिलेंगे, जिससे आप आगे बढ़ पाएंगे। आज आपका स्वास्थ्य फिट एंड फाइन रहेगा। आपकी सभी उलझनें आज समाप्त होंगी। कपड़ा व्यापारियों को आज उनकी मेहनत के उपरांत लाभ मिलेगा। शुभ अंक: 4

मीन राशि:आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी, आज आपकी पहले से चल रही ईएमआई आज पूरी होगी।

वन्यजीव संरक्षणः प्रकृति के साथ भविष्य की सुरक्षा

डॉ. प्रियंका सौरभ

वन्यजीव किसी देश की प्राकृतिक संपदा भर नहीं होते, बल्कि वे उसके पारिस्थितिक तंत्र की जीवंत कड़ियाँ हैं। जंगल, घासभूमि, आर्द्रभूमि, नदियाँ और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र तभी संतुलित रह सकते हैं, जब उनमें रहने वाली विभिन्न प्रजातियाँ सुरक्षित रहें। भारत जैव-विविधता की दृष्टि से दुनिया के महत्वपूर्ण देशों में शामिल है। यहाँ हिमालय से लेकर पश्चिमी घाट, थार के मरुस्थल से लेकर सुंदरबन और अंडमान-निकोबार तक विविध प्रकार के आवास पाए जाते हैं। ऐसे में वन्यजीव संरक्षण केवल कुछ दुर्लभ प्रजातियों को बचाने का प्रयास नहीं, बल्कि प्राकृतिक संसाधनों और मानव जीवन की सुरक्षा का भी प्रश्न है। राजस्थान में कैद में पाले गए ग्रेट इंडियन बस्टर्ड यानी गोडावण को वैज्ञानिक तरीके से पुनः प्राकृतिक आवास में स्थापित करने के प्रयास इस बात का उदाहरण हैं कि भारत अब संरक्षण में पारंपरिक उपायों के साथ वैज्ञानिक हस्तक्षेपों को भी महत्व दे रहा है।

वन्यजीव संरक्षण का पहला और सबसे स्पष्ट महत्व जैव-विविधता की रक्षा है। प्रत्येक प्रजाति पारिस्थितिक तंत्र में किसी न किसी भूमिका का निर्वहन करती है। किसी प्रजाति का विलुप्त होना केवल एक जीव के समाप्त होने की घटना नहीं होती, बल्कि उसके साथ जुड़ी अनेक जैविक प्रक्रियाएँ भी प्रभावित हो सकती हैं। ग्रेट इंडियन बस्टर्ड जैसी गंभीर रूप से संकटग्रस्त प्रजाति का संरक्षण इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसके अस्तित्व के साथ उसके पूरे घासभूमि आवास का संरक्षण जुड़ा हुआ है। इसी प्रकार बाघ के संरक्षण ने भारत में बड़े वन क्षेत्रों, शिकार प्रजातियों और संपूर्ण खाद्य-श्रृंखला की सुरक्षा को बढ़ावा दिया है। इसलिए किसी 'छत्र प्रजाति' का संरक्षण अनेक अन्य प्रजातियों के लिए भी सुरक्षा कवच बन सकता है। वन्यजीव पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिकारी प्रजातियाँ शाकाहारी जीवों की संख्या को नियंत्रित करती हैं, परागणकर्ता पौधों के प्रजनन में सहायता करते हैं और अनेक पक्षी तथा छोटे जीव बीजों के प्रसार में योगदान देते हैं। यदि खाद्य-श्रृंखला की एक महत्वपूर्ण कड़ी कमजोर हो जाए तो उसका प्रभाव पूरे पारिस्थितिक तंत्र पर पड़ सकता है। स्वस्थ वन और घासभूमियाँ जल संरक्षण, मिट्टी की गुणवत्ता बनाए रखने और कार्बन को अवशोषित करने में भी योगदान देती हैं। इस प्रकार वन्यजीव संरक्षण जलवायु और पर्यावरणीय सुरक्षा से भी सीधे जुड़ा हुआ है। वन्यजीवों का संरक्षण मानव समाज के लिए अनेक पारिस्थितिकी सेवाएँ भी सुनिश्चित करता है। वनों और आर्द्रभूमियों का संरक्षण जल को संचित करने, भूजल पुनर्भरण, बाढ़ नियंत्रण और तापमान को संतुलित करने में सहायता करता है। मधुमक्खियों, तितलियों और अन्य परागणकर्ताओं का संरक्षण कृषि उत्पादकता से जुड़ा है। इसी प्रकार प्राकृतिक आवास कार्बन भंडारण में योगदान देकर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में सहायता करते हैं। इसलिए प्रकृति की रक्षा को केवल पर्यावरणीय दायित्व समझना पर्याप्त नहीं; यह खाद्य, जल और आजीविका की सुरक्षा का भी आधार है। वन्यजीव संरक्षण का आर्थिक महत्व भी कम नहीं है। राष्ट्रीय उद्यान, अभयारण्य और टाइगर रिजर्व प्रकृति-आधारित पर्यटन को बढ़ावा देते हैं, जिससे स्थानीय समुदायों के लिए रोजगार और आय के अवसर पैदा होते हैं। यदि पर्यटन का विकास स्थानीय लोगों की भागीदारी और पर्यावरणीय सीमाओं के अनुरूप किया जाए तो संरक्षण और आजीविका एक-दूसरे के पूरक बन सकते हैं। इसके अतिरिक्त वन्यजीव भारत की सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत का हिस्सा हैं। आने वाली पीढ़ियों को बाघ, हाथी, गोडावण, गैंडा, सिंह और अनेक पक्षी-प्रजातियाँ उसी प्राकृतिक परिवेश में दिखाई दें, यह हमारी पीढ़ी की जिम्मेदारी है। हालाँकि वन्यजीव संरक्षण के सामने चुनौतियाँ गंभीर हैं। सबसे बड़ी चुनौती आवासों का क्षरण और विखंडन है। बढ़ती आबादी, कृषि विस्तार, खनन, सड़क, रेल, उद्योग और अन्य आधारभूत परियोजनाओं के कारण वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास सिकुड़ रहे हैं। अलग-अलग हिस्सों में बँट चुके जंगल जानवरों की आवाजाही और प्रजनन को प्रभावित करते हैं। विशेष रूप से हाथी, बाघ और तेंदुए जैसी बड़ी प्रजातियों के लिए वन्यजीव गलियारों का सुरक्षित रहना आवश्यक है। आधुनिक आधारभूत ढाँचा विकास के साथ एक नई चुनौती भी सामने आई है। सड़क और रेल दुर्घटनाएँ, विद्युत लाइनों से टकराव तथा ऊर्जा अवसंरचना कई पक्षी और अन्य वन्यजीव प्रजातियों के लिए खतरा बन सकती है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

रणजी ट्रॉफी में रविंद्र जडेजा का शतक, प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 16वीं बार तीन अंकों तक पहुंचे

एजेंसी, राजकोट

भारतीय ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने रणजी ट्रॉफी में छत्तीसगढ़ के खिलाफ मुकाबले के दूसरे दिन सोमवार को सौराष्ट्र के लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अपना 16वां शतक लगाया। राजकोट के निरंजन शाह स्टेडियम में जडेजा ने 102 रन की पारी खेली। उन्हें धर्मेंद्रसिंह जडेजा ने कैच और बोल्ड किया। बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज और बल्लेबाजी में उपयोगी योगदान देने वाले जडेजा की यह पारी आगामी अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों से पहले अहम मानी जा रही है। उनका पिछला लाल गेंद का मुकाबला श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में था। मैच की बात करें तो जडेजा के शतक के साथ अलावा प्रेरक मांकड़ ने भी 129 रनों की बेहतरीन शतकीय पारी खेली। इन दोनों के अलावा चिराग जानी ने 83 रन बनाए। इन तीनों की बेहतरीन पारियों की बदौलत सौराष्ट्र ने पहली पारी में सभी विकेट खोकर 392 रन बनाए। जवाब में छत्तीसगढ़ ने समाचार लिखे जाने तक 1 विकेट पर 24 रन बना लिए हैं। जडेजा वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत की 2-1 से वनडे श्रृंखला जीत के बाद सौराष्ट्र की टीम से जुड़े थे। उन्होंने दो मैचों में हिस्सा लिया, लेकिन बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला। इस दौरान उन्होंने दो विकेट लिए। छत्तीसगढ़ के खिलाफ शतक के साथ उन्हें लाल गेंद से बल्लेबाजी का भी उपयोगी अभ्यास मिला है। भारतीय टीम अगले महीने न्यूजीलैंड के दौरे पर दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलेगी। पहला टेस्ट 19 से 23 नवंबर तक वेलिंगटन में, जबकि दूसरा टेस्ट 27 नवंबर से 1 दिसंबर तक क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा। जडेजा इस दौरे से पहले अपनी लय हासिल करना चाहेंगे। भारत की प्रमुख घरेलू प्रथम श्रेणी प्रतियोगिता रणजी ट्रॉफी का 92वां संस्करण 11 अक्टूबर से शुरू हुआ। पिछले सत्र में शुरुआती दौर में बाहर होने वाली सौराष्ट्र की टीम को इस बार एलीट ग्रुप-बी में रखा गया है। इस समूह में सौराष्ट्र के साथ आंध्र, असम, छत्तीसगढ़, हैदराबाद, कर्नाटक, पंजाब और त्रिपुरा की टीमें शामिल हैं।

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में भारत का दबदबा, पांच खिताब जीतकर सबसे सफल टीम

एजेंसी, नई दिल्ली । भारतीय पुरुष हॉकी टीम एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के इतिहास की सबसे सफल टीम है। वर्ष 2011 में शुरू हुए इस टूर्नामेंट में भारत अब तक पांच बार खिताब जीत चुका है। अब भारतीय टीम की नजर छठी बार चैंपियन बनने पर होगी। हीरो एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी पंजाब 2026 का आयोजन 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक जालंधर और मोहाली में किया जाएगा। भारत ने इस प्रतियोगिता के आठ संस्करणों में पांच खिताब अपने नाम किए हैं। टीम ने पहले संस्करण में शूटआउट के जरिए जीत दर्ज की, जबकि 2024 में चीन को हराकर खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया।

अलग-अलग परिस्थितियों में मिली इन जीतों ने एशियाई हॉकी में भारत की निरंतर मजबूती को दर्शाया है। हाल ही में भारतीय टीम ने एशियाई खेलों में अपने स्वर्ण पदक का पहली बार सफलतापूर्वक बचाव कर इतिहास रचा था। अब टीम एक बार फिर मैदान पर उतरेगी और एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में अपना दबदबा कायम रखने की कोशिश करेगी। एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का पहला संस्करण 2011 में चीन के ऑर्डोस में खेला गया था। इसमें भारत, चीन, मलेशिया, पाकिस्तान, दक्षिण कोरिया और जापान की टीमों ने हिस्सा लिया था। फाइनल में भारत का सामना चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से हुआ। निर्धारित समय तक मुकाबला गोलरहित बराबरी पर रहा, जिसके बाद भारत ने शूटआउट में 4-2 से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ भारतीय टीम टूर्नामेंट की पहली चैंपियन बनी। तीन साल के अंतराल के बाद एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2016 में मलेशिया के कुआंतन में लौटी। भारत ने फाइनल में एक बार फिर पाकिस्तान के खिलाफ दमदार प्रदर्शन किया और 3-2 से जीत हासिल कर दूसरी बार खिताब अपने नाम किया। भारत की ओर से रुपिंदर पाल सिंह, अफ्फान यूसुफ और निकिन थिमैया ने गोल किए। इस जीत ने टूर्नामेंट में भारत की मजबूत स्थिति को और पुख्ता किया।

डेनमार्क ओपन में मौजूदा चैंपियन आन से यंग से भिड़ेंगी सिंधु, पुरुष एकल में लक्ष्य सेन का चाउ तिएन चेन से होगा मुकाबला

एजेंसी, नई दिल्ली । दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु डेनमार्क ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के पहले दौर में विश्व नंबर एक और मौजूदा चैंपियन आन से यंग से भिड़ेंगी। मंगलवार से शुरू होने वाले नौ लाख 50 हजार अमेरिकी डॉलर की इनामी राशि वाले सुपर 750 टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों के सामने कड़ी चुनौती होगी। पुरुष एकल में लक्ष्य सेन का सामना तीसरी वरीयता प्राप्त चाउ तिएन चेन से होगा। पूर्व विश्व चैंपियन सिंधु हाल के दिनों में मिले-जुले प्रदर्शन के बाद डेनमार्क पहुंची हैं। उन्होंने जुलाई में जापान ओपन सुपर 750 का खिताब जीता था, जबकि पिछले सप्ताह आर्कटिक ओपन के क्वार्टर फाइनल तक पहुंचीं। वहां उन्हें थाईलैंड की रत्चानोक इंतानोन के खिलाफ तीन गेम तक चले मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था। हालांकि, आन से यंग के खिलाफ सिंधु का पिछला रिकॉर्ड चिंता बढ़ाने वाला है। भारतीय खिलाड़ी दक्षिण कोरिया की इस स्टार शटलर के खिलाफ अपने पिछले सभी 10 मुकाबले हार चुकी हैं। ऐसे में पहले दौर में ही

उन्हें कठिन परीक्षा से गुजरना होगा। पुरुष एकल में लक्ष्य सेन एशियाई खेलों की व्यक्तिगत स्पर्धा में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद अपनी सर्वश्रेष्ठ लय हासिल करना चाहेंगे। पिछले दो वर्षों में उनका प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा रहा है। इस साल उन्होंने दूसरी बार ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाई थी। इससे पहले वह 2022 में भी इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के फाइनल तक पहुंचे थे। लक्ष्य 2024 पेरिस ओलंपिक में पुरुष एकल के सेमीफाइनल तक पहुंचने वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी भी हैं। हालांकि, हाल के दिनों में पीठ की चोट ने उनकी तैयारियों को प्रभावित किया है। उन्होंने एशियाई खेलों की पुरुष टीम स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में जापान के कोडाई नाराओका को हराया था, लेकिन व्यक्तिगत स्पर्धा के पहले ही दौर में बाहर हो गए थे। अब उन्हें चाउ तिएन चेन के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। चाउ ने एशियाई खेलों में भारतीय खिलाड़ी आयुष शेट्टी को तीन गेम के मुकाबले में हराया था। आयुष शेट्टी अपनी हालिया सफलताओं को आगे बढ़ाने के इरादे से उतरेंगे। उन्होंने 2025 में अमेरिकी ओपन सुपर 300 का खिताब जीता था। इस साल विश्व चैंपियनशिप में उन्होंने उस समय के विश्व नंबर एक चीन के शी यु ची को हराकर सबका ध्यान खींचा था। डेनमार्क ओपन के पहले दौर में उनका सामना इंडोनेशिया के अल्वी फरहान से होगा। विश्व चैंपियनशिप के प्री-क्वार्टर फाइनल में फरहान ने आयुष को हराया था।

ला लीगाः वेलेंसिया ने रेसिंग सैंटेंडर से खेला ड्रॉ, रियल सोसिएदाद ने डेपोर्टिवो को हराया

एजेंसी, मैड्रिड

स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लीगा के आठवें दौर में वेलेंसिया और रियल रेसिंग क्लब सैंटेंडर के बीच मुकाबला 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुआ। वहीं, रियल बेटिस ने इसको के दो गोल की मदद से ओसासुना को 5-2 से हराया और अंक तालिका में तीसरा स्थान हासिल कर लिया। एक अन्य मुकाबले में रियल सोसिएदाद ने दस खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए डेपोर्टिवो ला कोरुना को 3-2 से शिकस्त दी। रविवार के कार्यक्रम का पहला मैच एल्चे और सेल्टा विगो के बीच गोलरहित ड्रॉ रहा। वेलेंसिया ने रेसिंग सैंटेंडर के खिलाफ

मुकाबले की शुरुआत शानदार अंदाज में की। मैच शुरू होने के एक मिनट से कुछ अधिक समय बाद ही दानी राबा ने गोल कर टीम को बढ़त दिला दी। हालांकि, 32वें मिनट में इनिगो विसेंट के पास पर यासिर ज़ाबिरी ने गोल करके रेसिंग को बराबरी दिला दी। दूसरे हाफ की शुरुआत के दो मिनट बाद इवान मार्टिन ने गोल कर मेजबान टीम को 2-1 से आगे कर दिया। इसके बाद वेलेंसिया के युवा स्थानापन्न खिलाड़ी डेविड ओटोरबी ने 65वें मिनट में गोल करके स्कोर 2-2 कर दिया। इसके बाद दोनों टीमें कोई और गोल नहीं कर सकीं। रियल बेटिस ने घरेलू मैदान पर ओसासुना को 5-2 से हराया। इसको ने 10वें मिनट में पेनल्टी पर गोल करके टीम का खाता खोला। इसके बाद 31वें मिनट में कुचो हर्नांडेज के पास पर एज अब्दे ने गोल कर बढ़त दोगुनी कर दी। दूसरे हाफ के तीसरे मिनट में एंटे बुदिमिर के क्लीयरेंस के प्रयास के बाद गेंद डिएगो लोरेंटे से टकराकर गोल में चली गई और बेटिस ने 3-0 की बढ़त बना ली।

बिजनेस

यूरोप की कार कंपनियां भारत में विनिर्माण को देंगी प्राथमिकता, देश बनेगा वैश्विक केंद्र : गोयल

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि यूरोप के नियमों के कारण वहां वाहनों का विनिर्माण प्रतिस्पर्धी नहीं रह जाएगा। गोयल ने कहा कि ऐसे में यूरोप की सभी कार कंपनियां अब भारत में विनिर्माण करना पसंद करेंगी। उन्होंने कहा कि निर्यात और आयात, दोनों बढ़ रहे हैं। इससे घरेलू उद्योग और अंतरराष्ट्रीय निवेशकों को प्रोत्साहन मिलता है। हमारे युवाओं को पब्लिक पॉलिसी और राष्ट्र-निर्माण के कामों में सकारात्मक रूप से शामिल होते देखना हमेशा खुशी की बात होती है।

'द डिल्ली डायलॉग' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आखिरकार भारत कार विनिर्माण का वैश्विक केंद्र बनने जा रहा है। गोयल ने आगे कहा कि सभी कंपनियां भारत आएंगी और यहां विनिर्माण करेंगी। केंद्रीय मंत्री ने अपने संबोधन में यूरोपीय संघ के किसी नियम का विस्तार से उल्लेख नहीं किया। हालांकि, भारत और कुछ अन्य देशों ने ईयू की कार्बन सीमा समायोजन व्यवस्था (सीबीएएम) को लेकर चिंता जताई है। भारत के निर्यात के बारे में गोयल ने कहा कि वाणिज्य मंत्रालय चालू वित्त वर्ष 2026-27 में वस्तुओं और सेवाओं का कुल एक लाख करोड़ डॉलर का निर्यात हासिल करने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहा है। आईएसपीपी और चिंतन रिसर्च फाउंडेशन की ओर से नई दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (आईआईसी) में आयोजित 'द दिल्ली डायलॉग 2026' में 'विकसित भारत 2047' के विजन को लेकर नीति निर्माताओं, विशेषज्ञों और उत्साहित युवाओं के साथ सार्थक बातचीत हुई। उन्होंने कहा कि भारत ने मुक्त व्यापार समझौतों के तहत ब्रिटेन और यूरोपीय संघ (ईयू) को कोटा आधारित शुल्क रियायतें दी हैं। ब्रिटेन के साथ समझौता 15 जुलाई से लागू हो गया था, जबकि यूरोपीय संघ के साथ समझौते पर इस साल के अंत तक हस्ताक्षर होने की संभावना है। गोयल ने वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत की शानदार मजबूती और विकास की गति पर प्रकाश डाला। इसके साथ ही उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि हमारे युवाओं को भारत की विकास यात्रा में सक्रिय भागीदार बनना चाहिए और पॉलिसी बनाने में नए नजरिए, इनोवेटिव आइडिया और एक मज़बूत मकसद के साथ योगदान देना चाहिए। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि हमारे युवाओं की ऊर्जा और उम्मीदें भारत के भविष्य के प्रति भरोसा जगाती हैं। उन्होंने कहा कि मुझे यकीन है कि वे सिर्फ़ भारत की विकास गाथा के उत्तराधिकारी ही नहीं, बल्कि इसके निर्माता भी हैं। उन्होंने कहा कि उनकी महत्वाकांक्षा और दृढ़ संकल्प ही भारत को और ज्यादा समृद्धि वाले भविष्य की ओर ले जाएंगे।

श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड ने सावधि जमा पर ब्याज दरें बढ़ाई, नई दरें लागू

एजेंसी, नई दिल्ली

श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड ने अपनी सावधि जमा (एफडी) और फिक्स्ड इन्वेस्टमेंट प्लान (एफआईपी) पर ब्याज दरों में 0.15 फीसदी से 0.40 फीसदी (15 से 40 आधार अंक) तक की बढ़ोतरी की है, जो 11 अक्टूबर से लागू हो गई हैं। श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड के अनुसार 12 महीने की सावधि जमा पर ब्याज दर 6.85 फीसदी से बढ़ाकर अब 7 फीसदी कर दी गई है। अब 15 महीने की डिजिटल तरीके से जमा सावधि जमा पर ब्याज दर 7.10 फीसदी से बढ़ाकर 7.50 फीसदी कर दी गई है। इसी तरह 18 से 23 महीने की जमा पर ब्याज दर 7.05 फीसदी से बढ़ाकर 7.25 फीसदी और 24 से 35 महीने की जमा पर 7.10 फीसदी से बढ़ाकर 7.50 फीसदी कर दी गई है। यह दरें 10 करोड़ रुपये तक की जमा पर लागू होंगी। कंपनी ने कहा कि 60 वर्ष या इससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को जमा करते या उसका नवीनीकरण कराते समय लागू दर पर सालाना 0.50 फीसदी का अतिरिक्त सालाना ब्याज मिलता रहेगा।

सुनील भारती मित्तल को फ्रांस के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से गया नवाजा

एजेंसी, नई दिल्ली

भारती एंटरप्राइजेज के संस्थापक एवं चेयरमैन सुनील भारती मित्तल को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'नाइट ऑफ द नेशनल ऑर्डर ऑफ द लीजन ऑफ ऑनर' से सम्मानित किया है। भारती एंटरप्राइजेज ने बताया कि ये सम्मान 'शेवेलिये दे ल'ऑर्द्र नासियोनाल दे ला लेजियों द ऑनर' (नाइट ऑफ द नेशनल ऑर्डर ऑफ द लीजन ऑफ ऑनर) 28 अक्टूबर को नई दिल्ली स्थित फ्रांस के दूतावास में आयोजित एक समारोह में प्रदान किया जाएगा। इस सम्मान के लिए सुनील भारती मित्तल ने फ्रांस गणराज्य के प्रति आभार व्यक्त किया है। नेपोलियन बोनापार्ट ने 1802 में 'लेजियों द ऑनर' की स्थापना की थी। यह फ्रांसीसी गणराज्य का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है। कंपनी के अनुसार मित्तल को भारत और फ्रांस के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में लंबे समय से किए जा रहे प्रयासों तथा दूरसंचार एवं डिजिटल बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में

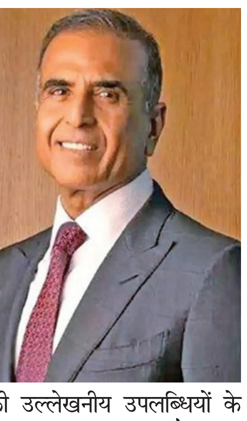

उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए यह सम्मान दिया गया है। भारत में फ्रांस के राजदूत थियरी माथू ने कहा कि सुनील भारती मित्तल 1992 में एयरटेल के शुरुआती दिनों से ही, यानी 30 साल से अधिक समय से फ्रांस के मित्र रहे हैं। उन्होंने कहा कि मित्तल ने दशकों से इन संबंधों को लगातार मजबूत करके दिखाया है कि फ्रांस और भारत के कारोबारी मिलकर क्या हासिल कर सकते हैं। थियरी माथू ने कहा कि आज वह यूटेलसैट के उपाध्यक्ष के रूप में इन संबंधों को आगे बढ़ा रहे हैं। यह ऐसा समय है, जब हमारे दोनों देश अंतरिक्ष और डिजिटल प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में मिलकर आगे बढ़ रहे हैं। मित्तल ने कहा कि फ्रांस के साथ मेरा जुड़ाव 1992 में एयरटेल की शुरुआत से रहा है जब कंपनी जनरल दे जो (कॉम्पैनी जेनेराल दे जो) ने भारत में मोबाइल दूरसंचार सेवाएं शुरू करने के लिए भारती के साथ साझेदारी की थी। उन्होंने कहा कि यह जुड़ाव आज भी जारी है। मैं यूरोपीय उपग्रह क्षेत्र की प्रमुख कंपनी यूटेलसैट के सह-चेयरमैन के रूप में अपनी भूमिका निभा रहा हूं। मैं फ्रांस गणराज्य के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के प्रति आभार के साथ यह सम्मान स्वीकार करता हूं। साथ ही भारत तथा फ्रांस के बीच आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराता हूं। सुनील भारती मित्तल को 2007 में भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में से एक पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था। वर्ष 2024 में वह ब्रिटेन के राजा चार्ल्स तृतीय द्वारा 'नाइट कमांडर ऑफ द मोस्ट एक्सीलेंट ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर' (केबीई) से सम्मानित होने वाले पहले भारतीय नागरिक बने थे।

टाटा पावर रिन्यूएबल्स ने दूसरी तिमाही में दर्ज की 130 प्रतिशत से अधिक वृद्धि, 419 मेगावाट की परियोजनाएं चालू

एजेंसी, पूर्वी सिंहभूम

टाटा पावर की अनुषंगी कंपनी टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (टीपीआरईएल) ने वित्तीय वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के क्रियान्वयन में 130 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की है। कंपनी ने जुलाई से सितंबर 2026 के दौरान 419 मेगावाट क्षमता की यूटिलिटी-स्केल परियोजनाएं चालू कीं। पिछले वित्तीय वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 182 मेगावाट क्षमता की परियोजनाएं चालू की थीं। इसके अलावा, कंपनी ने इस अवधि में 131.2 मेगावाट घंटे की बैटरी ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं का भी क्रियान्वयन किया। इन ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं में 101.2

मेगावाट घंटे की क्षमता कंपनी की अपनी जरूरतों के लिए विकसित की गई, जबकि शेष 30 मेगावाट घंटे की क्षमता तीसरे पक्ष के ग्राहकों के लिए तैयार की गई है। सोमवार को टाटा स्टील की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में टीपीआरईएल ने कुल 645 मेगावाट क्षमता की यूटिलिटी-स्केल परियोजनाएं पूरी कीं। इस दौरान 161.2 मेगावाट घंटे की ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं का भी क्रियान्वयन किया गया। इनमें 101.2 मेगावाट घंटे की परियोजनाएं कंपनी की अपनी जरूरतों के लिए और 60 मेगावाट घंटे की परियोजनाएं तीसरे पक्ष के ग्राहकों के लिए विकसित की गईं। पहली छमाही के दौरान कंपनी ने कई प्रमुख परियोजनाओं को सफलतापूर्वक चालू किया। इनमें 100.8 मेगावाट की जेवाली पवन ऊर्जा परियोजना, 227.5 मेगावाट क्षमता की कलासर एफडीआरई सौर ऊर्जा परियोजना के साथ 101.2 मेगावाट घंटे की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली, 100 मेगावाट की कायथार ग्रुप कैप्टिव परियोजना और 72.5 मेगावाट की टाटा स्टील कैप्टिव परियोजना शामिल हैं।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

एजेंसी, नई दिल्ली । सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सांकेतिक गिरावट का रुख नजर आ रहा है। भाव में हुए इस बदलाव के बाद ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,51,410 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,51,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,38,790 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,38,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी मामूली गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,39,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,51,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,38,940 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,51,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,51,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,38,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,51,410 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,38,790 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

बिजली संयंत्रों में कोयले का भंडार 1.8 करोड़ टन से अधिक, स्टॉक घटने की रफ्तार अक्टूबर में धीमी पड़ी

एजेंसी, नई दिल्ली

देश के घरेलू कोयला आधारित बिजली संयंत्रों में कोयले का भंडार 29 सितंबर से 18 मिलियन टन (1.8 करोड़ टन) से अधिक की मात्रा के साथ स्थिर बना हुआ है। 29 सितंबर को कोयले का भंडार 18.932 मिलियन टन (1.8932 करोड़ टन) था, जो 10 अक्टूबर को घटकर 18.205 मिलियन टन (1.8205 करोड़ टन) रह गया है। कोयला मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि भंडार में स्थिरता से पता चलता है कि बिजली घरों में कोयले की आपूर्ति उनकी दैनिक खपत के अनुरूप बनी हुई है। इसके साथ ही कम कोयला भंडार वाले बिजली घरों में आपूर्ति पर करीबी से नजर रखी

जा रही है। इसके अलावा जरूरत के आधार पर कम भंडार वाले बिजली घरों को कोयले का पुनर्वितरण किया जा रहा है, ताकि पर्याप्त आपूर्ति तथा निर्बाध बिजली उत्पादन सुनिश्चित हो सके। मंत्रालय ने कहा कि अधिक मालगाड़ियों में कोयला लादे जाने के कारण चालू महीने में घरेलू बिजली घरों में कोयले का भंडार घटने की रफ्तार काफी धीमी हुई है। सितंबर में पूरे महीने कोयले का भंडार करीब 72.8 लाख टन घटा था। इस दौरान औसतन प्रतिदिन लगभग 2.4 लाख टन की कमी आई। मंत्रालय ने बताया कि अक्टूबर के पहले 10 दिन में कोयले का भंडार कुल मिलाकर केवल करीब 5.6 लाख टन घटा। इस दौरान प्रतिदिन औसतन करीब 60 हजार टन की कमी आई है। कोयला मंत्रालय के अनुसार मालगाड़ियों में कोयला लादने की संख्या बढ़ने से स्थिति में सुधार हुआ है। इस साल एक से 10 अक्टूबर के दौरान बिजली क्षेत्र के लिए प्रतिदिन औसतन 469 रैक (मालगाड़ियों के डिब्बे) में कोयला लादा गया है, जबकि सितंबर में यह औसत 426 रैक था। इस तरह इसमें करीब 10 फीसदी की वृद्धि हुई।

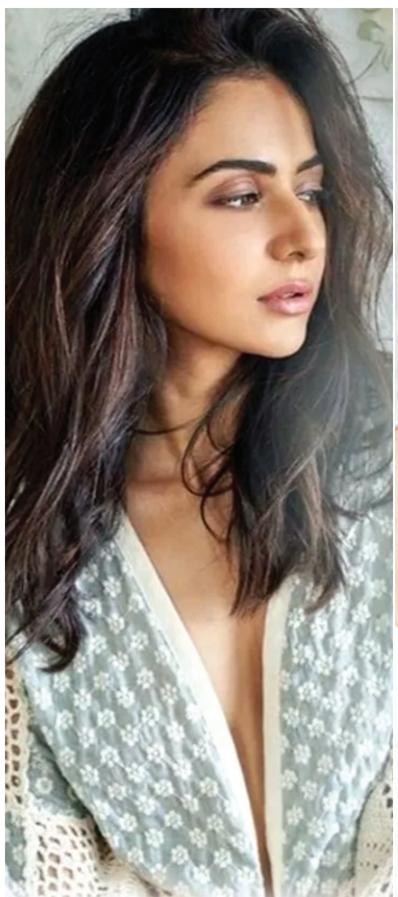

आईटी सर्च में नाम आने पर रकुल प्रीत सिंह ने दी सफाई

अभिनेत्री रकुलप्रीत सिंह ने इनकम टैक्स छापों से अपना नाम जुड़ने की खबरों पर रिएक्ट किया। अभिनेत्री ने इस मामले पर सफाई देते हुए कहा कि उनका इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है। दरअसल, 28 सितंबर को आयकर विभाग ने अभिनेत्री रकुलप्रीत सिंह और फिल्म निर्माता वासु भगनानी से जुड़े 12 ठिकानों पर छापेमारी की है। 28 सितंबर 2026 को मुंबई में आयकर विभाग ने रकुलप्रीत सिंह, वासु भगनानी और पैनोरमा स्टूडियोज के परिसरों की तलाशी ली थी।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक नोट पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने मीडिया द्वारा गलत अफवाहों को फैलाने पर अफसोस जताया। उन्होंने लिखा, 'यह देखकर बहुत दुख होता है कि आजकल कुछ खुद को रिपोर्टर कहने वाले लोग और कुछ बड़े मीडिया पत्रकार बिना सच्चाई जाने खबरों को बढ़ा-चढ़ाकर दिखा रहे हैं। इसलिए, मैं एक बार फिर सब कुछ साफ कर देती हूं।' उन्होंने आगे लिखा, 'अभी हाल ही में हमारे घर में जो तलाशी हुई है, उससे मेरा कोई लेना-देना नहीं है। इस बात हर कोई वाकिफ है कि मैं एक फौजी परिवार से ताल्लुक रखती हूं और इंडस्ट्री में मेरा कोई गॉडफादर नहीं था। मैं अपनी कड़ी मेहनत से यहां तक पहुंची हूं और 20 साल की उम्र से एक जिम्मेदार नागरिक की तरह अपना पूरा टैक्स भी भरती आ रही हूं।' अभिनेत्री ने साफ किया कि उनका नाम किसी भी गैरकानूनी कामों से जुड़ा नहीं है। उन्होंने लिखा, 'मैं किसी भी तरह के गैरकानूनी विदेशी लेनदेन में शामिल नहीं हूं, न तो खुद के लिए और न ही किसी प्रोडक्शन हाउस के लिए। मैं यह भी साफ कर दूं कि मेरे नाम पर देश या विदेश में कहीं भी गैरकानूनी प्रॉपर्टी नहीं है। न ही कभी किसी ने मुझे प्रॉपर्टी गिफ्ट की और न ही मैं इस तरह से तोहफे स्वीकार करती हूं।' अभिनेत्री ने अफवाह फैलाने वाले मीडिया संस्थानों से अपील कि की वे इस तरह की खबरें न फैलाएं। उन्होंने लिखा, 'जिन्होंने मेरे खिलाफ मनगढ़ंत खबरें छापी हैं। मैं उनसे उस खबर को वापस लेने की अपील करती हूं, साथ ही सच्चाई बताने के लिए कहती हूं। मैं समझती हूं कि मीडिया पर भी अपना बिजनेस चलाने का दबाव होता है लेकिन यह दबाव सच्चाई की कीमत पर नहीं होना चाहिए और बिल्कुल भी किसी की इज्जत और रोजी-रोटी की कीमत पर तो नहीं होना चाहिए।'

हनुमान अंश की सफलता पर ऋचा चड्ढा ने तोड़ी चुप्पी

'हनुमान अंश' को सिनेमाघरों में दो महीने होने वाले हैं। यह फिल्म भारत में 300 करोड़ से ज्यादा और वर्ल्डवाइड 400 करोड़ से ज्यादा का बिजनेस कर चुकी है। अब इसकी सफलता पर एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा ने अपनी राय दी है। बॉलीवुड की बेबाक और संजीदा अभिनेत्री ऋचा चड्ढा का मानना है साल 2026 को कंटेंट आधारित सिनेमा के लिए बड़ा साल कहना अभी जल्दबाजी होगी। ये निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी कि भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में दर्शकों की पसंद में कोई बड़ा बदलाव आया है।

'हनुमान अंश' की सफलता पर ऋचा का बेबाक विश्लेषण

2026 को 'कंटेंट-ड्रिवन सिनेमा' का लैंडमार्क साल कहे जाने पर असहमति जताते हुए ऋचा चड्ढा ने कहा, अगर बात सिर्फ 'हनुमान अंश' के संदर्भ में है, तो वह एक अलग मामला है। इसके अलावा इस साल और क्या चला है? हमारी तुलना हॉलीवुड से नहीं की जा सकती। पौराणिक और धार्मिक फिल्में भारतीय दर्शकों के बीच हमेशा से सुरक्षित और लोकप्रिय रही हैं। ये फिल्में तो लोग देखते ही हैं। इसलिए यह कहना अभी बहुत जल्दबाजी होगा कि इंडस्ट्री में अचानक कुछ बहुत बेहतरीन होने लगा है। ऋचा का मानना है कि धार्मिक या पौराणिक विषयों पर बनी फिल्मों का एक स्थापित दर्शक वर्ग है, जो बिना किसी झिझक के थिएटर तक आता है। इसे पूरे सिनेमा उद्योग में आए वैचारिक या रचनात्मक बदलाव के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

राइटर्स को मिले बेहतर पैसे, तभी बदलेगा सिनेमा

भारतीय फिल्म उद्योग को वास्तव में कंटेंट-संचालित बनाने के उपाय पर बात करते हुए ऋचा ने सबसे अहम मुद्दे पर ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि जब तक पटकथा लेखकों को सही सम्मान और बेहतर पारिश्रमिक नहीं मिलेगा, तब तक बड़े बदलाव की उम्मीद करना बेमानी है।

'हनुमान अंश' का 2 करोड़ के बजट से 423 करोड़ तक का ऐतिहासिक सफर विशाल चतुर्वेदी के निर्देशन में बनी फिल्म 'हनुमान अंश' आध्यात्मिक गुरु नीम करोली बाबा के जीवन और उनकी शिक्षाओं पर आधारित है। बेहद शांत शुरुआत करने वाली इस फिल्म को 'वर्ड ऑफ माउथ' का ऐसा जबरदस्त सहारा मिला कि यह 2026 की सबसे बड़ी सरप्राइज हिट बन गई।

शाहरुख की फिल्म में करीना की भी हुई एंट्री

अभिनेता शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' का इंतजार फैंस को बेसब्री से है। मगर इस फिल्म का गाना 'डैडी कूल' और भी ज्यादा खास होने वाला है। खबर है कि इस गाने में बादशाह के साथ करीना कपूर भी दिखाई देगीं।

'डैडी कूल' में क्या है खास

शाहरुख खान और करीना कपूर खान आगामी एक्शन फिल्म 'किंग' के एक महत्वपूर्ण गाने में एक बार फिर साथ नजर आने वाले हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार करीना ने 'डैडी कूल' नामक इस गाने में विशेष भूमिका निभाने के लिए हामी भरी है, जिसकी शूटिंग इस महीने के अंत में दक्षिण अफ्रीका में एक भव्य तरीके से होगी।

पहले भी साथ काम कर चुके शाहरुख-करीना

फिल्म 'किंग' का गाना डैडी कूल ऐसा पहला प्रोजेक्ट नहीं है, जिसके लिए शाहरुख और करीना साथ काम कर रहे हों। इससे पहले करीना और शाहरुख 'अशोका', 'कभी खुशी कभी गम' और 'रा.वन' जैसी बड़ी फिल्मों में एक साथ काम कर चुके हैं। इसके अलावा करीना शाहरुख की कई फिल्मों में कैमियो या स्पेशल गाना भी कर चुकी हैं। कविला की रिपोर्ट्स के मुताबिक 'डैडी कूल' को इस एक्शन फिल्म के मुख्य गानों में से एक के रूप में प्रस्तुत किया जाना है। प्रोडक्शन शेड्यूल के अनुसार, करीना को दक्षिण अफ्रीका में शाहरुख के साथ अपने हिस्से की शूटिंग के लिए लगभग पांच दिन दिए गए हैं। क्रॉस-कल्चरल देखने को मिलेगा रिपोर्ट्स के मुताबिक इन दो बॉलीवुड सितारों को एक साथ लाने के अलावा, इस सीक्वेंस में एक बड़ा क्रॉस-कल्चरल सहयोग भी देखने को मिलेगा। इस गाने में एक भारतीय कलाकार एक अंतरराष्ट्रीय कलाकार के साथ नजर आएंगे।

रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स तेलुगु' को होस्ट करते नजर आएंगे तेजा सज्जा

तेलुगु सिनेमा के अभिनेता तेजा सज्जा अब एक बिल्कुल नए अंदाज में दर्शकों के सामने आने के लिए तैयार हैं। वह जल्द ही स्ट्रीमिंग रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स तेलुगु' को होस्ट करते नजर आएंगे। शो का ट्रेलर मंगलवार को रिलीज किया गया, जिसमें तेजा सज्जा की होस्ट के तौर पर झलक देखने को मिली। शो में अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े 20 सेलिब्रिटीज हिस्सा ले रहे हैं और इनके बीच भरोसे, झूठ, रणनीति और दिमागी खेल का मुकाबला देखने को मिलेगा। 'द ट्रेटर्स तेलुगु' अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मशहूर फॉर्मेट का पहला तेलुगु एडिशन है। शो में चिन्मयी श्रीपदा, हर्ष वर्धन, प्रगति महावाड़ी, श्रीदेवी चौधरी, निखिल विजयेंद्र सिम्हा, विद्या रमन, विष्णु ओई, श्राव्या वर्मा, डॉ. मेघनाथ रेड्डी, मौनीषा चौधरी, स्वीकर अगस्ती, आशिका पादुकोण, वर्षा डी'सूजा, प्रणव उर्फ अभिनवकवि, एसएस वर्धन, राहत अचंता, गौरव सुनील, साई रोनक, पुप्पला धनंजय और फल्गुनी बांगेड़ा नजर आएंगे। शो का हिस्सा बनने और इसे होस्ट करने को लेकर तेजा सज्जा ने कहा, ''मेरे लिए यह बिल्कुल नया अनुभव है। मैं इस तरह के फॉर्मेट का हिस्सा बनने को लेकर काफी उत्साहित हूं, क्योंकि यह मेरे अब तक के काम से बिल्कुल अलग है। मुझे ऐसे फॉर्मेट वाले तेलुगु एडिशन का हिस्सा बनने का मौका पहली बार मिला है, जो दुनियाभर में काफी लोकप्रिय हो चुका है।''

तेजा ने कहा, ''तेलुगु एंटरटेनमेंट के लिए यह एक बड़ा मौका है। शो सिर्फ एक लोकप्रिय इंटरनेशनल फॉर्मेट को तेलुगु दर्शकों के सामने नहीं ला रहा, बल्कि इसे स्थानीय दर्शकों के हिसाब से अपनी अलग पहचान और अंदाज भी दिया गया है। बतौर होस्ट भी मेरे लिए यह खेल उतना ही अनप्रेडिक्टेबल है, जितना इसमें हिस्सा लेने वाले कंटेस्टेंट्स के लिए।''

तेजा ने आगे कहा, ''शो में कंटेस्टेंट्स के बीच झूठ, माइंड गेम्स, अचानक बनने वाले गठजोड़ और लगातार एक-दूसरे पर शक करने का सिलसिला देखने को मिलेगा। हर कदम पर गेम बदल सकता है और किसी भी कंटेस्टेंट को यह भरोसा नहीं रहेगा कि सामने वाला वास्तव में उसके साथ है या उसके खिलाफ। अब मुझे इस बात का इंतजार है कि दर्शक इसमें शामिल कंटेस्टेंट्स से जुड़ें और गेम के आगे बढ़ने के साथ खुद भी अंदाजा लगाते रहें कि आखिर कौन किसके साथ है।'' 'द ट्रेटर्स तेलुगु' जल्द ही प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होने वाला है।

मैं अपने हर किरदार में कुछ एक्स्ट्रा एलिमेंट कुछ नया जोड़ने की कोशिश करती हूं

अवस्थी परिवार में आपका स्वागत है; जहां ड्रामा है, मस्ती है और सबसे बढ़कर एक डायन का राज है! अमेज़न स्टूडियोज़ और कलर येलो की फिल्म 'नई नवेली' की कहानी एक जाने-पहचाने भारतीय परिवार की झलक देती है। कहानी में एक आम परिवार की दुनिया बेहद दिलचस्प तरीके से बदल जाती है, और फिर इसमें लार्जर देन लाइफ किरदारों, परिवार में होने वाले मजाक और ढेर सारे ट्विस्ट और टर्न के अलावा फैमिली डॉग के भी उस उथल पुथल में शामिल हो जाने की झलक मिलती है। फैमिली, कॉमेडी, फेंटेसी, मिस्ट्री और एक्शन को एक साथ मिलाते हुए फिल्म दर्शकों के सामने एक साथ मस्ती, ह्यूमर, इमोशन और बहुत सारे दिलचस्प सरप्राइज़ लेकर आती है। फिल्म की कहानी भारतीय परिवार के जड़ों से जुड़ी हुई है, और इस तरह से ये दर्शकों को एक ऐसी दुनिया में लेकर जा रही है जिसे उन्होंने कभी नहीं देखा है। हर नई परत के खुलने के साथ नई नवेली फिल्म अपनी तरह की इकलौती लार्जर देन लाइफ बिग स्क्रीन एडवेंचर बनकर इस दशहरा के मौके पर कुछ अलग देने का वादा करती है। कहानी के केंद्र में नेशनल अवॉर्ड विनर यामी गौतम धर मोहिनी के किरदार के साथ एक बेहद अलग अवतार में नजर आने वाली हैं। जबरदस्त लुक से लेकर बॉडी लैंग्वेज तक, उनकी कॉमिक बिट्स और एक्शन किरदार में सेंस ऑफ सरप्राइज़ लेकर आ रहे हैं।

एक इवेंट में यामी ने अपने रोल के बारे में और उसकी तैयारी करने के प्रोसेस पर बात की कि कैसे उन्होंने मोहिनी को एक पूरी तरह से नई पर्सनालिटी बनाई है। उन्होंने साझा करते हुए कहा, हर रोल अपने साथ एक नए चैलेंज और डिमांड लाता है। जब भी कोई मुझसे किसी रोल की तैयारी के बारे में पूछता है, तब मैं उस याद में चली जाती हूं, जब मैने पहली बार उस रोल के बारे में सुना या पढ़ा था। यामी ने कहा, तब आपको एहसास होता है कि मज़ा तो बहुत आ रहा है, लेकिन आपको बहुत सी चीज़ें भी सीखनी पड़ती हैं, जैसे स्किल्स, एक्शन, और बॉडी लैंग्वेज। यह ऐसा है जैसे आपको अपने सामने एक पैरेलल पर्सनैलिटी बनानी है और फिर उसे अपनी स्किन की तरह पहनना है, वही इंसान बनना है। आगे बात करते हुए वे कहती हैं, मैं ऐसी स्टूडेंट हूं जो हमेशा सोचती रहती हूं कि तैयारी में कहीं कुछ कमी तो नहीं रह गई। मेरा मानना है कि आप जितनी बार स्क्रिप्ट पढ़ते हैं, उतना ही आपको अपने किरदार या कहानी में कुछ नया जोड़ने का मौका मिलता है। फिल्म की नब्ज समझना बहुत जरूरी है। मोहिनी उसी तरह नहीं हंसेगी, जैसे मैंने अपनी दूसरी फिल्मों में निभाए किरदारों में हंसी है। मैं अपने हर किरदार में कुछ एक्स्ट्रा एलिमेंट, कुछ नया जोड़ने की कोशिश करती हूं, ताकि ऑडियंस को भी उसे देखने में मजा आए। यामी गौतम धर स्टारर इस फिल्म को बालाजी मोहन ने डायरेक्ट किया है, जबकि इसकी कहानी हिमांशु शर्मा और दिव्य निधि शर्मा ने लिखी है। फिल्म में अड्डिनाथ एम. कोठारे, अनुराग ठाकुर, सुनीता राजवार, मीता वशिष्ठ, आदित्य कुलश्रेष्ठ, सुस्मिता मुखर्जी और प्रतीक पचौरी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

Sainik School Nalanda Begins 24th Raising Day Celebrations

DB Reporter

Nalanda : Sainik School Nalanda has commenced celebrations for its 24th Raising Day with a series of academic, cultural and extracurricular activities scheduled from October 12 to 24.

The inaugural programme began with a special morning assembly, during which Principal Colonel Bhupender Kumar conferred the 'Academic Torch' upon 23 cadets who qualified in the Union Public Service Commission's National Defence Academy and Naval Academy Written Examination 2026. He also felicitated medal winners from the Group Level Sports Championship held at Sainik School Tilaiya.

The celebrations continued in the evening with an Inter-House Dramatics Competition. Around 250 participants from the four houses—Ajatshatru, Ashoka, Mahavira and Siddhartha—along with newly inducted cadets of Bimbisara House, showcased their creativity and teamwork. Group songs, dances, English skits and other performances entertained the audience.

Congratulating the staff and cadets, Colonel Kumar said an institution's greatest strength lies in its human resources. He expressed gratitude to former leaders, faculty members, alumni and staff whose contributions had shaped the school's 23-year journey of achievement. He added that the institution would continue to uphold its founding values while striving for greater excellence.

The anniversary programme will also feature the Mauryan Expo, an academic exhibition showcasing cadets' innovations through science, humanities and arts clubs.

The celebrations will culminate on October 24 with a comprehensive Parent-Teacher Meet, a cultural programme, Mauryanjan and a grand felicitation ceremony.

Vice Principal Lieutenant Colonel Meghna Singh, Administrative Officer Lieutenant Colonel Harsh Madhukar Sapdhare, faculty members, cadets and administrative staff attended the inaugural events.

The celebrations aim to recognise the institution's achievements, encourage cadets to pursue academic and extracurricular excellence, and strengthen the school community's commitment to discipline, teamwork and service.

Sainik School Nalanda's 24th Raising Day programme will continue with events highlighting the talents, achievements and innovative spirit of its cadets.

BJP: Rahul Gandhi pushing India towards anarchy, creating north-south divide

New Delhi, Agency: BJP Sunday accused Rahul Gandhi of seeking to stoke division in the country on linguistic grounds after the LoP alleged that PM Modi has launched a "full-scale attack" on the Tamil language and culture.

BJP spokesperson Sudhanshu Trivedi said the reality is that the Tamil language has received "immense respect" during Modi's tenure, with the PM praising it as the world's oldest language and applauding its rich culture even abroad.

He said, "Efforts have been made to establish the Tamil language across its various dimensions, not only at the national level but also on the international stage."

The BJP MP said Rahul has been trying hard to push India towards anarchy and create a divide between the north and south on a linguistic basis. "When the sacred Sengol was placed in the new Parliament building as a revered symbol of eternal Tamil culture in 2023, Congress opposed it," Trivedi said.

Modi recently presented a copy of the Russian translation of 'Thirukkural' to Vladimir Putin, he pointed out. Trivedi also slammed Rahul for his "undeclared Emergency" jibe at Modi. "Today, you can say whatever comes to mind about the prime minister, making baseless and reckless comments. There was a time when if you merely said at a public place that the Indira Gandhi govt must be removed, you were jailed.

OK with peaceful stir for Khalistan: Envoy to Canada

New Delhi, Agency: Indian high commissioner to Canada, Dinesh Patnaik, has said India doesn't mind advocacy and protests for Khalistan, as long as these are peaceful. In an interview, Patnaik urged Canada to understand that activities around the separatist movement were taking place on its own soil, not in India.

"I have been saying from Day 1, Indians, Canadians, Sikhs can peacefully advocate for what they believe in, even if it is Khalistan or a separate homeland. Politically, we have zero problem," said Patnaik.

"In last 40 years, political parties in India have been advocating for that. So, it's nothing new... What we say... don't bring in negativity, filth, terrorist element, gun-running, organised crime and extortion into it. Don't have Khalistanis protesting with pictures of the killing of my PM," he said. The remarks came ahead of a Khalistan referendum scheduled for Alberta later this month.

After a prolonged period of diplomatic strife over the killing of a Khalistani separatist in British Columbia in 2023, India and Canada have normalised the relationship and are currently discussing a potentially landmark trade deal. Both nations recently held another round of security dialogue, agreeing to deepen coordination in combating organised crime, terrorism and extremism.

HC questions Assam government on woman sent to Bangladesh

New Delhi, Agency: Gauhati high court has intensified scrutiny of circumstances in which Nagaon's Mumtaz Begum was sent to Bangladesh, warning Assam govt that it would presume a Foreigners' Tribunal's May 30 opinion declaring her a foreigner would be considered "not ready" if the state fails to establish when it was finalised.

In its latest order on Oct 7, the high court recorded MEA's submission that an inquiry into Mumtaz's whereabouts was ongoing and that it needed more time.

Media had reported that Bangladesh's home ministry began searching for Mumtaz after this newspaper contacted authorities in Dhaka in the last week of Sept. Not only Mumtaz, another woman also 'missing' after B'desh

expulsion

The Gauhati high court, in its Oct 7 order, said, "The court shall presume that the opinion...was not made ready within the appropriate time, i.e., prior to the taking into custody" of Mumtaz.The court had ordered an inquiry on Sept 3 and directed MEA to trace Mumtaz and facilitate her return, observing that she was sent to Bangladesh without a "reasonable opportunity" to challenge the tribunal's opinion.

The court had previously set aside an earlier opinion declaring her a foreigner and ordered fresh consideration of her case.

Her son, Momruz Ali, had on Oct 7 disputed Assam CM Himanta Biswa Sarma's claim that she was safe and in regular contact with him and had told Media that the family had no idea where she was and that the family was "breaking" under the strain of the search.

The case dates back to April, when Gauhati HC set aside an earlier Foreigners' Tribunal opinion declaring Mumtaz a foreigner and remanded the matter for fresh consideration. She appeared before the tribunal again on May 30, the date borne by the fresh opinion, and was taken into custody. The central question now before the court is whether that opinion had actually been made ready before officials acted on it.

According to the chronology recorded in court proceedings, Mumtaz was subsequently moved through holding facilities in Assam and handed over to BSF on June 13. BSF told the court she was "sent back to Bangladesh" in the early hours of June 14, from the Kalaincherra area of Cachar. Her whereabouts have remained unknown to her family since she was sent across the border, according to her son. Mumtaz is not the only woman from Nagaon reported missing after being sent across the border. Another woman, Jahanara Begum, whose case is ongoing in HC, has also gone missing under similar circumstances. The high court heard her case together with that of Mumtaz Begum.

Tata Steel, UK Government and Royal Academy Partner to Boost Circular Materials

DB Reporter

Jamshedpur : Tata Steel, the UK Government and the Royal Academy of Engineering have announced a three-year research and innovation partnership to promote sustainable and recycled materials, strengthen industrial collaboration and support economic growth in the United Kingdom and India.

The initiative will bring together universities, researchers and industry partners from both countries to develop practical solutions for circular materials. It will also facilitate UK-India policy missions to exchange knowledge and generate market intelligence on circularity and resilient supply chains for critical materials and minerals.

The programme is backed by nearly £1.9 million from the UK Government and £1 million from Tata Steel. Successful projects will receive additional industrial support, with funding equivalent to at least half the value of their grant, enabling promising technologies to progress towards commercial application and wider industrial use.

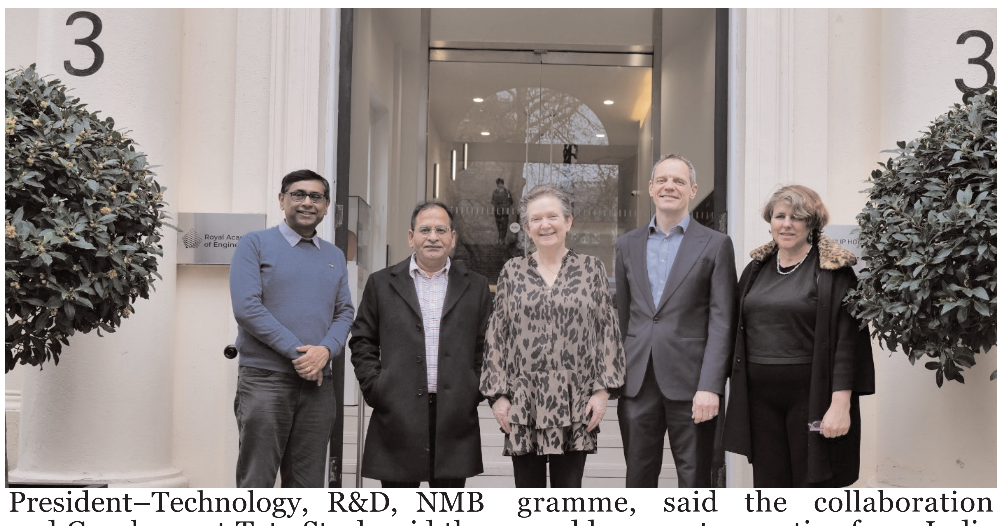

Subodh Pandey, Vice President–Technology, R&D, NMB and Graphene at Tata Steel, said the partnership would help accelerate the development and adoption of sustainable, circular and lower-carbon materials. He highlighted the opportunity to translate promising research into practical industrial applications while building long-term relationships between researchers and industry.

Professor Ravi Silva, Director of the Advanced Technology Institute at the University of Surrey and Chair of the Academy's Transforming Systems through Partnership programme, said the collaboration would connect expertise from India and the UK to address infrastructure needs through sustainable, resource-efficient and energy-efficient materials and processes.

The partnership will operate through the Academy's Transforming Systems through Partnership (TSP) programme, with support for grant holders beginning in April 2027. The initiative builds on earlier collaboration involving India's Department of Science and Technology and the Indian National Academy of Engineering.

After Hindu Raksha Dal claims attack, saffron-clad groups threaten Delhi protesters again

New Delhi, Agency: Saffron-clad groups carrying sticks were seen threatening demonstrators in central Delhi for a second consecutive day on Sunday, a day after the Hindu Raksha Dal claimed responsibility for an assault on protesters demanding Chief Election Commissioner Gyanesh Kumar's resignation. The comments came after police arrested four men in connection with Saturday's alleged assault on DDU Marg.

According to Media, several men carrying sticks moved around Connaught Place, where demonstrations were taking place, confronting protesters and issuing threats. Their presence came despite prohibitory orders under Section 163 of the Bharatiya Nagarik Suraksha Sanhita (BNSS) being in force.

On Saturday, groups of men wearing saffron scarves and raising religious slogans were seen moving around protest sites, threatening demonstrators and openly defending violence against those protesting the Election Commission (EC). Some claimed they had turned up in support of Prime Minister Narendra Modi and were unconcerned about being detained by police.

The men accused protesters of raising "anti-national and anti-Modi" slogans, with some describing them as "anti-national elements" who "deserved to be thrashed". Groups were also heard shouting, "Delhi Police tum lath bajao, hum

tumhare saath hain (Delhi Police, you wield the baton, we are with you)".

The incidents unfolded as thousands of protesters were detained across the capital during demonstrations demanding Kumar's resignation over alleged irregularities in the EC's functioning and its Special Intensive Revision (SIR) of electoral rolls.

A widely circulated video purportedly showed two men assaulting a male protester and manhandling a woman, pushing her to the ground and pulling at her clothes. The footage also appeared to show police personnel at the scene. Leader of Opposition in the Lok Sabha Rahul Gandhi was among those who shared a screenshot of the alleged assault.

Hindu Raksha Dal chief Pinki Chaudhary subsequently shared the video on X, claiming the attackers were members of his organisation. "These are my workers from the Hindu Raksha Dal, an organisation that delivers on its promises," he wrote, adding that the outfit could set the minds of "cockroaches" straight.

Delhi Police release video of informing Dipke of grandmother's death in detention

New Delhi, Agency: Delhi Police on Sunday released a video showing officers informing Cockroach Janta Party (CJP) founder Abhijeet Dipke about his grandmother's death while he was in detention in the national capital. Deputy Commissioner of Police Neha Yadav said Dipke was offered assistance to travel to his hometown for the last rites.

DCP Neha Yadav said officers approached Dipke as soon as they received information about his grandmother's demise and offered help with flights, phone calls and other arrangements but the CJP founder declined. As soon as the Delhi Police received information about the passing away of Cockroach Janta Party (CJP) Founder Abhijeet Dipke's grandmother, officers approached him to convey this sad news and offered all possible assistance. They sensitively asked if he needed help with flights, phone calls, or anything else. They repeatedly asked if he wished to speak to his parents, but he declined," DCP Yadav said.

The video release came after Dipke's mother, Anita Dipke, accused Delhi Police of lying

about informing her son of the death, saying the family had been unable to contact him and had put the last rites on hold until he could return. Responding to Dipke's mother, Delhi Police clarified that Dipke was informed about the death and the scheduled funeral time, and was offered assistance to facilitate his travel to his hometown on humanitarian grounds. However, the police said he declined the offer. Police on why Dipke was detained Dipke, along with CJP co-convenor Saurav Das and leader Ashutosh Ranka, was detained on October 10 after arriving in Delhi from Mumbai ahead of the party's proposed protest at Jantar Mantar demanding Chief Election Commissioner Gyanesh Kumar's resignation over alleged irregularities in the Special Intensive Revision (SIR) of electoral rolls. DCP Yadav said permission for the proposed sit-in at Janpath was denied because of the party's alleged failure to follow prescribed procedures, its past conduct and the prevailing security situation. She also cited restrictions imposed under Section 133 of the Bharatiya Nagarik Suraksha Sanhita (BNSS) in several areas. Regarding CJP, their past conduct showed a failure to adhere to previously given undertakings and local directives. When permission was granted previously, they did not abide by the law; the crowd they mobilized engaged in heavy stone-pelting, arson, and violence, causing significant damage to public property," she said.